



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



O
C
M
Y
B

वर्ष -12 अंक - 146

प्रयागराज, बुधवार 23 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

अमेरिकी चैनलों ने ट्रम्प की लाइव कवरेज रोकी, 3 मीडिया हाउस पर बैन के बाद फैसला, जवाब में व्हाइट हाउस ने 'ट्रम्प टीवी' लॉन्च कर दिया

वॉशिंगटन। अमेरिका के बड़े टीवी चैनलों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यक्रमों की साझा लाइव कवरेज रोक दी है। यह फैसला व्हाइट हाउस की ओर से सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों पर बैन के बाद लिया गया। फॉक्स न्यूज के वॉशिंगटन ब्यूरो चीफ ब्रामर बॉटन ने सोमवार को बताया कि अब इस व्यवस्था के तहत आने वाले राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की वीडियो कवरेज नहीं की जाएगी। इसके बाद व्हाइट हाउस ने अपनी ऑनलाइन वीडियो फीड शुरू की, जिसका नाम 'ट्रम्प टीवी' रखा गया है। इसमें ट्रम्प के पुराने वीडियो, सरकार के ऐलान और ताजा अपडेट दिखाए जाएंगे। लोग व्हाइट हाउस के लाइव कार्यक्रम भी फोन और दूसरे इंटरनेट वाले डिवाइस पर देख सकेंगे-हेलिपैड के उद्घाटन का वीडियो व्हाइट हाउस ने खुद जारी किया-सोमवार को व्हाइट हाउस में नए हेलिपैड का उद्घाटन हुआ। आमतौर पर



इस बार उन्होंने साझा कवरेज रोक दी थी। इसलिए व्हाइट हाउस ने खुद कार्यक्रम का वीडियो जारी किया। कार्यक्रम में टीवी नेटवर्क के कैमरे और माइक्रोफोन नहीं थे। इससे ट्रम्प की आवाज साफ सुनाई नहीं दे रही थी। मरीन वन के शोर से भी परेशानी हुई। अब

इस तरह के कार्यक्रमों की कवरेज के लिए व्हाइट हाउस के पास

किया। अखबार ने कहा कि वह उन मीडिया संस्थानों के समर्थन में ऐसा कर रहा है, जिनके पत्रकारों को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया है। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रम्प की न्यूयॉर्क यात्रा की कवरेज जारी रखने की बात कही। अखबार के मुताबिक, सरकार के कामकाज पर स्वतंत्र मीडिया की नजर रहना जरूरी है।

राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की कवरेज करता है प्रेसिडेंशियल पूल-अमेरिका में राष्ट्रपति के हर कार्यक्रम में सभी टीवी चैनलों के कैमरे नहीं पहुंच सकते।

इसलिए एबीसी, सीबीएस, सीएनएन, फॉक्स न्यूज और एनबीसी ने साझा व्यवस्था बनाई है, जिसे 'प्रेसिडेंशियल टेलीविजन पूल' कहा जाता है। इसमें नेटवर्क बारी-बारी से राष्ट्रपति के कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग करते हैं और फुटेज दूसरे मीडिया संस्थानों को देते हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

यूएन में ट्रम्प का भाषण- जनरल डिबेट शुरू होगी, 2025 में टेलीप्रॉम्टर खराब होने पर भड़के थे, 2018 में उनके दावे पर बना था मजाक

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन की जनरल डिबेट आज से शुरू हो रही है। यह 28 सितंबर तक चलेगी। न्यूयॉर्क में होने वाली इस बैठक में 193 सदस्य देशों के नेता या वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। जनरल डिबेट की शुरुआत ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के भाषण से होगी। इसके बाद मेजबान देश अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प बोलेंगे। ट्रम्प के भाषण के दौरान पहले भी विवाद और चर्चाएं होती रही हैं। 2025 में यूएन में भाषण वेग दौरान उनका टेलीप्रॉम्टर खराब हो गया था, जिस पर वे नाराज हुए थे। वहीं 2018 में यूएन महासभा में अपने कामकाज की तारीफ करते हुए उनके एक दावे पर हॉल में हंसी सुनाई दी थी। ट्रम्प ने तब कहा था कि उन्हें ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी। ब्राजील सबसे पहले, फिर अमेरिका की बारी-जनरल डिबेट में सबसे पहले ब्राजील और उसके बाद अमेरिका

के बोलने की परंपरा काफी पुरानी है। यह कोई लिखित नियम नहीं है। जनरल डिबेट की शुरुआत

मेजबान देश अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प बोलेंगे। जनरल डिबेट में सबसे पहले ब्राजील और उसके



ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के भाषण से होगी। इसके बाद



बाद अमेरिका के बोलने की परंपरा काफी पुरानी है। यह कोई लिखित नियम नहीं है। यूएन के शुरुआती

वर्षों में कोई भी देश सबसे पहले भाषण देने की पहल नहीं करना चाहता था। ऐसे में ब्राजील ने यह जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद 1955 से जनरल डिबेट में ब्राजील के सबसे पहले बोलने की परंपरा बन गई। ब्राजील के बाद अमेरिका को बोलने का मौका इसलिए मिला कि क्योंकि यूएन का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है और अमेरिका मेजबान देश है।

इसके बाद कौन सा देश कब बोलेगा, यह यूएन तय करता है। इसमें यह देखा जाता है कि किस देश का प्रतिनिधि कौन है, पिछले साल उस देश को कब बोलने का मौका मिला था और अलग-अलग देशों को बोलने का मौका कैसे दिया जाए। यूएन जनरल डिबेट क्या होती है? आसान भाषा में समझें तो यह वह मौका है जब संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देश एक ही मंच से दुनिया के सामने अपनी बात रखते हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

नॉर्थ कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का किया परिक्षण, 600 किमी तक गई 2 मिसाइलें, किम जोंग बोले- दुश्मनों का सिरदर्द बढ़ेगा

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया ने रविवार को एक नए हथियार सिस्टम का टेस्ट किया। सरकारी एजेंसी केसीएनए की तस्वीरों के मुताबिक, इसमें हाइपरसोनिक मिसाइल ह्वासोंग-11एम का परीक्षण किया गया। नॉर्थ कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी बेटी के साथ टेस्ट देखने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस हथियार का विकास देश की युद्ध तैयारियों को मजबूत करेगा और दुश्मनों के लिए 'लाइलाज सिरदर्द' पैदा करेगा। दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया ने पूर्वी तट के वॉनसान इलाके से करीब 3 घंटे के अंतर पर दो कम दूरी की मिसाइलें दागीं। ये समुद्र में करीब 450 और 600 किमी तक गईं। जापान की सेना ने कहा कि दोनों मिसाइलें उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर समुद्र में गिरीं। तस्वीरों में दिखाई ह्वासोंग-11एम मिसाइल-खट्टे ने मिसाइल टेस्ट की तस्वीरें जारी कीं। इनमें टूकों से दो मिसाइलें लॉन्च होती दिखाईं। मिसाइलों के आगे शंकु जैसी आकृति और पंखनुमा हिस्से नजर आए। एक तस्वीर में किम जोंग उन निगरानी स्क्रीन देखते नजर आए। स्क्रीन पर ह्वासोंग-11एम नाम लिखा



बताया। हाइपरसोनिक मिसाइल की खासियत क्या है? हाइपरसोनिक मिसाइलें आवाज की गति से 5 गुना से ज्यादा, यानी करीब 6,000 किमी/घंटे या उससे ज्यादा की रफ्तार से उड़ सकती हैं। इनकी खासियत सिर्फ तेज रफ्तार नहीं, बल्कि उड़ान के दौरान दिशा बदलने की क्षमता भी है। तेज रफ्तार और बदलते रास्ते की वजह से इन्हें रडार से ट्रैक करना और मिसाइल डिफेंस सिस्टम से रोकना मुश्किल हो सकता है। हालांकि, नॉर्थ कोरिया के

हाइपरसोनिक मिसाइलों के दावों पर विशेषज्ञ सवाल उठाते रहे हैं। उनका कहना है कि टेस्ट के दौरान मिसाइलें लगातार दावे वाली रफ्तार पर बनी रहीं या नहीं, यह साफ नहीं है। नॉर्थ कोरिया लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा-नॉर्थ कोरिया मिसाइल और परमाणु हथियारों का जखीरा लगातार बढ़ा रहा है। एसआईपीआरआई के 2026 के अनुमान के मुताबिक, उसके पास करीब 60 परमाणु हथियार हैं और इतना फिसाइल मेटेरियल है कि करीब 30 और हथियार बनाए जा सकते हैं। मिसाइलों में कम दूरी के हथियारों से लेकर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) तक शामिल हैं। ह्वासोंग-17 और ह्वासोंग-18 की रेंज 15 हजार किमी से ज्यादा बताई जाती है, यानी ये अमेरिका तक पहुंचने की क्षमता वाली मिसाइलें हैं शामिल हैं। वहीं केएन-23 और केएन-25 जैसी कम दूरी की मिसाइलें दक्षिण कोरिया और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों के लिए खतरा मानी जाती हैं। मिसाइलों के अलावा प्योंगयांग नए युद्धपोत और दूसरे सैन्य सिस्टम भी विकसित कर रहा है।

हूतियों के खिलाफ सऊदी की मदद करेगा ब्रिटेन, हवा में लड़ाकू विमानों में ईंधन भी भरेगा-लाखों यमन के लोग बेघर

लंदन/रियाद। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के

ब्रिटेन सऊदी अरब की मदद के लिए एक ब्रिटिश रॉयल एयर



बीच लड़ाई तेज हो गई है। इस बीच ब्रिटेन ने सऊदी को मदद देने का फैसला किया है। सोमवार को न्यूयॉर्क जाते समय पत्रकारों से बात करते हुए ब्रिटिश पीएम ने कहा ब्रिटेन एयर-टू-एयर रिफ्यूएलिंग के लिए टैंकर देगा। यानी हवा में उड़ते सऊदी लड़ाकू विमानों में ईंधन भरा जा सकेगा। इधर लड़ाई का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों में 3,000 से ज्यादा यमनी शरणार्थी जिबूती पहुंचे हैं। यूएन के मुताबिक, लाल सागर के तट पर लड़ाई बढ़ने से अब तक 1.2 लाख से ज्यादा यमन के लोग बेघर हो चुके हैं। ब्रिटेन वॉयजर टैंकर विमान भेज सकता है-



फोर्स (आरएएफ) का वॉयजर टैंकर विमान भेज सकता है। यह विमान साइप्रस में मौजूद आरएएफ अक्रोटिरी एयरबेस से काम करेगा। वॉयजर विमान का काम हवा में उड़ रहे लड़ाकू विमानों में ईंधन भरना है। इससे लड़ाकू विमान बिना नीचे उतरे ज्यादा देर तक उड़ सकते हैं। ब्रिटेन की वायुसेना के पास ऐसे 9 वॉयजर विमान हैं। इनमें 8 सैन्य इस्तेमाल के लिए हैं और एक विमान सामान्य यानी सिविलियन रजिस्ट्रेशन वाला है। जरूरत पड़ने पर उसे भी सैन्य काम में लाया जा सकता है। सऊदी अरब को दी जा रही यह मदद कुछ हफ्तों के लिए होगी। ब्रिटेन इस साल पहले ही सऊदी

अरब में स्काई सेबर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर चुका है। यह सिस्टम दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल जैसे हवाई हमलों से बचाव के लिए इस्तेमाल होता है। हूती तेजी ने लाल सागर के तट के पास अहम द्वीपों पर कब्जा किया-यमन के हूतियों ने इस महीने लाल सागर के तट की ओर तेजी से बढ़ते हुए बाब-अल-मंदब स्ट्रेट के पास के इलाकों पर कब्जा किया है। यह स्ट्रेट लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसलिए इस इलाके में लड़ाई का असर समुद्री रास्तों पर भी पड़ सकता है। हूतियों की इस बढ़त के बाद सऊदी अरब ने तटीय इलाकों में सैकड़ों हवाई हमले किए हैं।

दूसरी तरफ हूतियों ने सऊदी अरब के शहरों और बुनियादी ढांचे पर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइल हमलों का दावा किया है। जिबूती युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता-यमन के ठीक सामने स्थित जिबूती ने साफ किया है कि वह हूतियों और सऊदी समर्थित यमनी सरकार के बीच युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता। हालांकि, जिबूती अफ्रीका के सबसे ज्यादा सैन्य मौजूदगी वाले देशों में से एक है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

दावा-ईरान के आसमान में फिर दिखा यूएफओ, 1976 में भी दिखा था, पीछा करने वाले फाइटर जेट के सिस्टम फेल हो गए थे

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान के आसमान में चमकती अलग-अलग रंगों की लाइट वाला



एक ऑब्जेक्ट दिखाई देने का दावा किया गया है। सोशल मीडिया पर इसके कई वीडियो सामने आए हैं। लोग दावा कर रहे हैं की यह यूएफओ हो सकता है। 50 साल

साथ उड़ रहे कई ड्रोन होने की बात कही। वहीं, कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि दूर से देखने पर ये लाइट किसी पतंग की भी हो सकती हैं। साइबर न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी इनमें से किसी दावे की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी रिकॉर्ड में भी 1976 की घटना का जिक्र-1976 की घटना अमेरिकी सरकार के रिकॉर्ड में भी मौजूद हैं। अमेरिकी नेशनल सिन्योरिटी एजेंसी के आर्काइव में इस घटना से जुड़ी ऑडिट चीफ ऑफ स्ट्राफ की रिपोर्ट, डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी की रिपोर्ट और अमेरिकी डिफेंस की रिपोर्ट शामिल हैं। इन दस्तावेजों से



इतना जरूर पता चलता है कि 1976 में तेहरान में ऑब्जेक्ट देखे जाने की घटना की आधिकारिक रिपोर्ट बनी थी और इधकी जांच की गई थी। हालांकि, ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि वह ऑब्जेक्ट और इस हफ्ते

तेहरान में रिकॉर्ड किए गए वीडियो का आसपस में कोई संबंध है। ईरान की यूएस को धमकी- नए ठिकानों पर हमला करे-ये वीडियो ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान अगर अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने सोमवार को अमेरिका को चेतावनी दी। आईआरजीसी ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ तनाव और बढ़ता है तो ईरान अपनी रक्षा और जवाबी कार्रवाई के तरीके में बड़े बदलाव करेगा। अमेरिका की ईरानी एयरलाइंस पर कार्रवाई की धमकी- अमेरिका ईरानी एयरलाइंस के लिए विदेशों में उड़ान भरना मुश्किल बनाने पर उड़ रहा था, उसकी रफ्तार और नई सैन्य रणनीति इस्तेमाल करेगा। साथ ही उन जगहों को भी निशाना बनाया जाएगा, जहां पहले हमला नहीं किया गया है।

एआई में खूब पैसा लगा रहा चीन, लेकिन इकोनॉमी कमजोर, युवाओं में बेरोजगारी रिकॉर्ड 18.9फीसदी

बीजिंग।चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तेजी से पैसा लगा रहा है। लेकिन दूसरी तरफ देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। 2026 की पहली छमाही में घरेलू कारों और घरों की बिक्री घट गई। वहीं अगस्त में युवाओं में बेरोजगारी रिकॉर्ड 18.9फीसदी रही। ऐसे में कई चीनी अर्थशास्त्रियों का चिंता है कि सरकार एआई जैसे सेक्टर में ज्यादा पैसा लगा रही है, जबकि अर्थव्यवस्था को नौकरियां और लोगों की खरीदारी बढ़ाने के लिए ज्यादा मदद की जरूरत है। चीन की आर्थिक परेशानी आंकड़ों से साफ दिख रही है। कारों की बिक्री- 2026 के पहले 6 महीनों में घरेलू कारों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 20फीसदी घट गई। घरों की बिक्री- इसी दौरान घरों की बिक्री में 14फीसदी की गिरावट आई। अर्थशास्त्री बोले- अर्थव्यवस्था को ज्यादा सहारे की जरूरत-जुलाई में चीन के पूर्व केंद्रीय बैंक सलाहकार ली दाओकुई ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था जरूरत से ज्यादा धीमी चल रही है। एक और पूर्व सलाहकार लियू शिजिन ने ग्रामीण लोगों की पेंशन बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने पेंशन को करीब



बढ़ाना जरूरी है। सरकार का पूरा फोकस एआई पर-जुलाई में पोलितब्यूरो की बैठक के बाद चीन के नेताओं ने एआई से जुड़ी नई अर्थव्यवस्था को बढ़ाने पर जोर दिया। सरकार ने सीमित आर्थिक मदद जारी रखने का फैसला भी किया। एआई में सरकारी निवेश लगातार बढ़ रहा है। स्टैनफोर्ड के अर्थशास्त्री शू चेंगगांग का कहना है कि इससे रोजगार और लोगों की खरीदारी बढ़ाने वाले क्षेत्रों के

लिए कम पैसा बच सकता है। उनके मुताबिक, एआई कंपनियों को सिर्फ सरकारी मदद नहीं, बल्कि ऐसे याहक और कारोबार भी चाहिए जो उनके उत्पाद खरीदें। चीन की हालत की तुलना सोवियत संघ से क्यों? बीजिंग के प्रमुख समाजशास्त्री सन लिपिंग ने चीन की मौजूदा आर्थिक स्थिति की तुलना सोवियत संघ से की है। उनके मुताबिक, सोवियत संघ के सबसे मजबूत दौर में उसकी अर्थव्यवस्था अमेरिका के आकार की करीब 70फीसदी थी। विज्ञान

के लिए जरूरी डेटा सेंटर भी तेजी से बना रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, चीन अगले 5 साल में देशभर में डेटा सेंटर बनाने पर करीब 28 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी कर रहा है। इन डेटा सेंटरों को सरकारी कंपनियां चलाएंगी। इसलिए इसे 'एआई ग्रेट लीप फॉरवर्ड' कहा जा रहा-चीन के कुछ इंटरनेट यूजर्स सरकार के बड़े एआई अभियान को 'एआई ग्रेट लीप फॉरवर्ड' कह रहे हैं। इसका नाम चीन के पूर्व नेता माओ जेंगोंग के 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' अभियान से लिया गया है। माओ ने 1958 में चीन को तेजी से औद्योगिक और ताकतवर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर उद्योग और खेती में बदलाव शुरू किए थे। लेकिन यह अभियान बुरी तरह नाकाम रहा और इसके कारण चीन में भयानक अकाल पड़ा। आज चीन सरकार भी एआई को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर पैसा लगा रही है। इसलिए कुछ लोग इसकी तुलना पुराने अभियान से कर रहे हैं। सवाल है कि जब देश की अर्थव्यवस्था सुस्त है, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, तब सरकार एआई पर इतना बड़ा पैसा क्यों लगा रही है।

अमेरिका में श्वेत गुट भारतीयों की जासूसी कर रहे, मिडटर्म चुनाव के दौरान हेट क्राइम 30फीसदी बढ़ने का खतरा ट्रम्प भी बना सकते हैं इमिग्रेशन को मुद्दा

वॉशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव में इमिग्रेशन विरोध बढ़ा मुद्दा बन



रहा है। भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम के मामले 30फीसदी तक बढ़ने की आशंका है। न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में 20 साल से रेस्तरां चलाते वाले भारतवंशी मोमिन अली (बदला हुआ नाम) कहते हैं कि ट्रम्प के समर्थक श्वेत गुट भारतीयों के रेस्तरां में जासूसी करते हैं। प्रवासियों के मुद्दे से जुड़े संगठन एपीआई ने एक मॉड्यूल का अध्ययन कर बताया है कि नवंबर तक भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम के 58

हजार होने का खतरा है। जबकि इस साल जुलाई तक भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम के 44,535 मामले सामने आए थे। अमेरिका में चुनाव अथवा भारतीयों से जुड़ा कोई भी मुद्दा सामने आने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी एंटी इमिग्रेशन मुद्दा उठाती है। भारतीयों के खिलाफ जांच छीनने का आरोप भी लगाया जाता है। आइस एजेंटों को छापेमारी के लिए बुलाते हैं- मोमिन अली कहते हैं कि आइस एजेंटों की आए दिन छापेमारी बड़ी आफत बन गई है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

सपा प्रदेश कार्यकारिणी लखनऊ की बैठक में शामिल हुए- धर्मेन्द्र सिन्धू यादव

भाजपा हटाओ, देश बचाओ का नारा: 2027 में सपा सरकार बनाने का संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरहुआ/ वाराणसी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धर्मेन्द्र सिन्धू यादव ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पार्टी का जनाधार और वोट बढ़ाने के लक्ष्य पर चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से गांव, बूथ और परिवार स्तर तक पहुंच बनाकर लोगों से लगातार संवाद स्थापित करने तथा संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक के बाद प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सपा के वोट में 27 हजार की वृद्धि का लक्ष्य भी बताया गया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र सिन्धू यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को स्मृति-चिह्न भेंट किया और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलकर मार्गदर्शन प्राप्त करना उनके लिए गौरव और प्रेरणा का



मिली है। धर्मेन्द्र सिन्धू यादव ने कहा कि संगठन को मजबूती के लिए पार्टी कार्यालय तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि बूथ, गांव और परिवार स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। रोजगार, किसान, नौजवान, शिक्षा, महंगाई, बिजली और सामाजिक न्याय जैसे जनसरोकार के मुद्दों को लेकर जनता वेठ बाँच लगातार संवाद कायम रखना संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। महिलाओं के लिए सालाना 40 हजार रुपये का

घोषणा-उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं के आर्थिक

उन्होंने कहा कि महिलाओं, किसानों, मजदूरों, नौजवानों और गरीब परिवारों के हितों को लेकर समाजवादी पार्टी जनता के बीच लगातार संवाद करेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि गरीब, मजदूर, किसान, नौजवान और व्यापारी विभिन्न समस्याओं से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनसमस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाएगी और गांव-गांव तथा बूथ स्तर तक पहुंचकर लोगों से संवाद स्थापित करेगी। धर्मेन्द्र सिन्धू यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को अभी से पूरी सक्रियता के साथ जुटना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों से संपर्क स्थापित करने और जनसरोकार के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के साथ जनता की समस्याओं को समझने और उन्हें उचित मंच तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। 2027 वेठ विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करना कार्यकर्ताओं की प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

ओटीएस-2026 की बढ़ी समय-सीमा- 15 दिसंबर तक बकायेदार आवंटी करा सकेंगे बकाये का एकमुश्त निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष रायबरेली विकास प्राधिकरण सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के



आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा जारी शासनादेश के क्रम में रायबरेली विकास प्राधिकरण की संपत्तियों वेठ डिपॉजिटर आवंटियों तथा मानचित्र स्वीकृति से संबंधित बकायों के निस्तारण के लिए संचालित एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस)-2026 की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि रायबरेली विकास प्राधिकरण के समस्त डिपॉजिटर आवंटी योजना का लाभ उठाकर अपने बकाये का एकमुश्त निस्तारण करा सकते हैं तथा नियमानुसार ब्याज में छूट का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। योजना वेठ अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन, दोनों माध्यमों से आवेदन किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन विकास प्राधिकरण कार्यालय के संपत्ति/

बकाया अनुभाग में तथा ऑनलाइन आवेदन आवास बंधु की वेबसाइट www.awas.bandhu.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से किया जा सकता है। सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव ने बताया कि प्रमुख सचिव महोदय, आवास एवं शहरी नियोजन वेठ

डीएम की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न, जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के लिए गए निर्देश पाइप लाइन बिछाने में कटिंग की गई सड़कों को शीघ्र कराए रिस्टर- जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में



जल जीवन मिशन (शहरी/ग्रामीण) के अंतर्गत जनपद में संचालित विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता, निर्माणधीन कार्यों की वर्तमान स्थिति, परियोजनाओं की प्रगति तथा पाइप लाइन बिछाने के दौरान कटिंग की गई सड़कों के रेस्टोरेशन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो सकी है, उनमें आवश्यक कार्रवाई करते हुए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए, ताकि परियोजनाओं के कार्य में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। जिलाधिकारी ने निर्माणधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों को निरन्तर समयसीमा

रूप से स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने पाइप लाइन बिछाने के दौरान कटिंग की गई सड़कों के संबंध में विशेष रूप से निर्देश दिए कि सड़कों को रेस्टोरेशन कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कराया जाए, ताकि आमजन को आवागमन में असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता एवं जनसुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी। बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रणविजय सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम (शहरी) मो० अफजल खान, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 का कार्यक्रम घोषित, 29 सितम्बर को जारी होगी अधिसूचना, 23 अक्टूबर को होगा मतदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण

होगी। नाम निर्देशन हेतु अंतिम तिथि 06 अक्टूबर, नाम निर्देशनों की संवीक्षा 07 अक्टूबर तथा



आधिकारी, लखनऊ खण्ड स्नातक/ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली सरनीत कौर ब्रोका ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 एवं खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण होने वाली रिक्तियों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम वेठ अनुसार निर्वाचन की अधिसूचना 29 सितम्बर 2026 को जारी

नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। मतदान 23 अक्टूबर 2026 को पूर्वाह्न 8 बजे से अपराह्न 4 बजे तक होगा। मतगणना 27 अक्टूबर 2026 को की जाएगी तथा निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करा ली जाएगी।

उन्होंने बताया कि उक्त विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध लागू हो गए हैं।

नौ सालों की मेहनत के बाद मिला इक्कीस वर्ष पुराने वेतनमान पर 13 नवंबर 2009 के ओ.एम.के अनुसार बहुत दिनों से विलंबित प्रत्यावेदन को निस्तारित करने का कैंट इलाहाबाद बेंच ने दिया आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कार्यालय

सेक्रेटरी जनरल को 'मेमोरैंडम' दिया गया जिसे सेक्रेटरी जनरल

कुमार मिश्र के हस्ताक्षर करा कर पूर्व उपाध्यक्ष श्री विजय



पी.ए.जी./ए. जी. के दफ्तर में कार्यरत एक जनवरी 2006 को

के द्वारा कूड़ेदान में फेंक दिया गया, फिर 25 जुलाई 2025 में



चित्र: मुख्य न्यायाधीश सेना देवे बाले और प्रकाश गुप्ता

वरिष्ठ लेखापरीक्षकों को 5500/- ग्रेड पे 4200/- दिया गया था, जोकि अनुचित था उसके स्थान पर 6500/- ग्रेड पे 4600/- होना चाहिए था जिसको सिविल आडिट एसोसिएशन (कटेगरी-तीन) उत्तर-प्रदेश प्रयागराज पूर्व उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार श्रीवास्तव के द्वारा सर्वप्रथम वर्ष 2018 में अखिल भारतीय लेखा एवं लेखापरीक्षा संगठन के

अध्यक्ष श्री सुनील कुमार सोनकर के संरक्षण में प्रधान महालेखाकार महोदय के माध्यम से सी.ए.जी मुख्यालय हेतु दिया गया परन्तु कोई उत्तर नहीं मिलने पर वर्ष 2026 में अनुस्मारक पुनः अनुरोध पूर्वक सी.ए.जी मुख्यालय के लिए दिया गया जिसमें फिर से स्थानीय स्तर से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ तब वर्तमान सेक्रेटरी श्री प्रमोद

होम्योपैथ से कई सालों के गंभीर गले के कैंसर का सफल इलाज- डॉ. रमेश श्रीवास्तव जटिल से जटिल बीमारी का होम्यो पैथ से इलाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। लालगंज क्षेत्र के बेहटा कला ग्राम के पूरे नौरवेराय के उद्देश बहादुर सिंह ने बताया की दो साल से ज्यादा गले के रोग से परेशान था जिला अस्पताल में इला करवाया फिर एम्स में इलाज के दौरान गले की गांठ मुम्बई गई रिपोर्ट आने के बाद जानकारी हुई की गले का कैंसर है। लखनऊ के मेडिकल कालेज में कई महीनों इलाज किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। फिर कानपुर के जे.के. अस्पताल में इलाज करवाया



संभव हैं- डॉ. रमेश श्रीवास्तव

उन्होंने सैंकाई और कीमो थेरेपी की करने की बात बताई। मुम्बई के डाक्टरों ने बताया कि कैंसर है आप भर्ती होकर इलाज करवाइये, कीमो होगा और सैंकायी करानी होगी। मैं घबराकर आपने गांव वापस आ गया। फिर किसी ने डाक्टर रमेश श्रीवास्तव से इलाज कराने की सलाह दी। मेरा बीमारी के कारण बोल चाल एवं खाना पीना सब बंद हो गया था छह महीने पहले डाक्टर रमेश से मिला डाक्टर साहब ने देखा और साफ साफ बता दिया इलाज तो करंगा

लेकिन समय लगेगा। इलाज शुरू किया इलाज के दो महीने के बाद लिविड के द्वारा जूस पीना शुरू हो गया और हल्का बोलने की शुरुआत हुई फिर चार महीने बाद डाक्टर साहब ने खाना खाने की सलाह दी। पांचवें महीने बाद आराम मिलने लगा। अभी भी इलाज चल रहा है अब तो सब कुछ खाने पीने लगा और पूरी तरह आवाज भी आ गयी अब पूर्णतया ठीक हूँ। उद्देश बहादुर सिंह ने डाक्टर साहब के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।



आश्रम में युवाओं के उत्साह और ऊर्जा से भरपूर युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल जी रहे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में श्री योगेश मौर्य जी उपस्थित रहे। जैनजी और मिलेनियल पीढ़ी के युवाओं के इस समागम में शिक्षा, संस्कृति, पर्यावरण और क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल जी ने गंगा तट की सांस्कृतिक एवं आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए गंगा-यमुना के ग्रीन इकोनॉमिक एवं कल्चरल कॉरिडोर की आवश्यकता और उसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि गंगा-यमुना का क्षेत्र केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है,

अर्थव्यवस्था और रोजगार के नए अवसर भी विकसित किए जा



सकते हैं। वहीं, मुख्य अतिथि श्री योगेश मौर्य जी ने युवाओं को शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवा की पहली प्राथमिकता शिक्षित और जागरूक बनना होनी चाहिए। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि

सक्रिय भागीदारी की। समूचा आयोजन युवाओं को शिक्षा, संस्कृति और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से जोड़ने का संदेश देता नजर आया। उपरोक्त समागम में अभिषेक सिंह ठाकुर, हिमांशु यादव, अक्षत गुप्ता, प्रभाकर तिवारी, शोभित द्विवेदी, सेंफ खान इत्यादि रहे।

हज-2027 में महरम श्रेणी के तहत महिलाओं के लिए 500 सीटें आवंटित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक

के अंतर्गत अपने महरम के कवर में सम्मिलित होने के लिए आवेदन

तिथि से पूर्व जारी वैध मशीन पठित पासपोर्ट होना आवश्यक



कल्याण अधिकारी महिमा ने बताया कि सचिव/कार्यपालक अधिकारी, 30प्र0 राज्य हज समिति, लखनऊ के अनुसार हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा हज-2027 के लिए सर्कुलर-14 दिनांक 16 सितम्बर 2026 जारी किया गया है। इसके तहत महरम श्रेणी में महिलाओं के लिए 500 सीटें आवंटित की गई हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी महिलाएं, जो किसी कारणवश अपने महरम के साथ हज-2027 के लिए आवेदन नहीं कर सकीं तथा उनके महरम का हज-2027 के लिए चयन हो चुका है, वे उक्त सुविधा

कर सकती हैं। आवेदन के लिए महिला आवेदक ने पूर्व में हज कमेटी अथवा हज ग्रुप ऑर्गनाइजर के माध्यम से हज न किया हो। आवेदन केवल हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई की वेबसाइट <https://hajcommittee.gov.in> पर ऑनलाइन किया जा सकेगा। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 23 सितम्बर 2026 से 07 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। ऑफलाइन, हस्तलिखित अथवा टाइप किया हुआ आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदक के पास आवेदन की

है, जिसकी वैधता 31 दिसम्बर 2027 तक होनी चाहिए। आवेदन के समय पासपोर्ट के प्रथम एवं अंतिम पृष्ठ, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, आवासीय पते का प्रमाण तथा महरम से संबंध प्रमाणित करने वाला दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करना होगा। उन्होंने बताया कि जिस कवर में महिला आवेदन कर रही है, उसमें महिला के आवेदन को सम्मिलित करते हुए कुल पांच से अधिक आवेदन मान्य नहीं होंगे। 500 सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में डिजिटल रैंडम सेलेक्शन (ऑनलाइन लॉटरी) के माध्यम से चयन किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों एवं सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों की समीक्षा कर दिए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें अधिकारी : प्रभारी मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट

संचालित विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण



सभागार में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं जनपद में

विभाग, जिला कार्यक्रम विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की

उच्च प्राथमिक विद्यालयों का समय-समय पर आवश्यक निरीक्षण किया जाए। विद्यालयों में पठन-पाठन, मूलभूत सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। इस दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने अवगत कराया कि जनपद के कुछ प्राथमिक विद्यालयों में विद्यालय भवन, कक्षा आदि से संबंधित आवश्यक कार्यों के लिए जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के माध्यम से कार्य कराए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। समाज कल्याण राज्य मंत्री। बैठक के दौरान प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना

नियमित समीक्षा करते हुए जहां भी कोई कमी सामने आए, उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संपादित करने तथा अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री जी के निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करें अधिकारी : जिलाधिकारी-बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि माननीय प्रभारी मंत्री जी द्वारा बैठक में दिए गए सभी निर्देशों एवं दिशा-निर्देशों का संबंधित अधिकारी समयबद्ध रूप से अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने 10 विद्यार्थियों को किया सम्मानित, बभनी ब्लॉक में हुई प्रतियोगिता में बच्चों को मिला सम्मान

सोनभद्र। बभनी ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों में हुई चित्रकला प्रतियोगिता में 10 छात्र-



छात्रों को सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार प्रजापति ने मंगलवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पुरस्कार दिए। यह प्रतियोगिता विकास खंड बभनी के परिषदीय विद्यालयों में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित की गई थी। इसमें बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। पुरस्कार पाने वाले छात्र-छात्राओं में मीनाक्षी (उच्च प्राथमिक चैनपुर), वीर सिंह (प्राथमिक विद्यालय सेवड़ीटोला), निशि गुप्ता (कम्पोजिट इकदरी), आकाश कुमार (कम्पोजिट धनवार), सरिता कुमारी (देवती कम्पोजिट विद्यालय बरवाटोला), सतबहनी, सोनम गुप्ता (प्राथमिक विद्यालय मचबधवां), पूजा कुमारी (कम्पोजिट टोंगा), अनीता कुमारी (कम्पोजिट सहगोड़ा) और नीतू कुमारी (उच्च प्राथमिक विद्यालय असनहर) शामिल हैं। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि चित्रकला जैसे आयोजन बच्चों की छिपी प्रतिभा और उनकी अच्छी सोच को सामने लाने का एक बढ़िया तरीका है। इस कार्यक्रम में कृष्ण कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, मोहम्मद आरिफ, रणजीत कुमार, मुकेश त्रिपाठी, चंद्रशेखर सिंह, संतोष कुमार और मोबिन अहमद सहित कई अध्यापक-अध्यापिकाएं मौजूद रहे।

जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टिंग के नाम पर बिजली कटौती बन्द हो-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अधिकांश अभियन्ता

न होकर दल प्रतिनिधि रह गये हैं जन सरोकार से जन

और दी जाय यह अब नहीं चलने वाला दीपक तले अंधेरा



कार्यालय सोनभद्र पर किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने बिजली कटौती को लेकर किया जोरदार प्रदर्शन और दिया चेतावनी कि एक हफ्ते के अन्दर यदि व्यवस्था नहीं सुधरी तो होगा बड़ा आन्दोलन। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र ने कहा कि यह सरकार पूरी तरह से फेल है इनके राज में ब्यूरोक्रेसी बेलागम हो चुकी इनके प्रतिनिधि जन प्रतिनिधि

संवेदनहीनता की पराकाष्ठा हो गयी है जो सरकार आम जन हमारे परिवारि जनो को मूल भूत सुविधा नहीं दे पा रही है। इस सरकार में जनता का उत्पीड़न चरम पर है जबकि सोनभद्र उर्जाचल की राजधानी के नाम से जाना जाता है हमारे जनपद की बिजली से लखनऊ व गोरखपुर में निर्बाध बिजली दी जा रही है वहीं हम लोग प्रदूषण की मार झेले और सुविधा कही

के मुहारे को जनपद का बिजली विभाग कर रहा चरितार्थ सारे जनप्रतिनिधी हुए मूक। कार्यक्रम में आकाश चौहान सन्वहन बिन्दु सजय बियार भोलू गुप्ता विजय चौहान दिनेश चेरौ विन्नु खरवार विनय पासवान सुमन्त बिन्दु हरिवन्त बियार रोहित मौर्या अजय पटेल व सैकड़ों नौजवान उपस्थित रहे।

सोनभद्र में जनजाति सांस्कृतिक महोत्सव का हुआ आयोजन, अच्छे धुन पर कलाकारों ने पेश किया करमा नृत्य

सोनभद्र। पनारी ग्राम पंचायत के टोला मैराडाइ स्थित राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में मंगलवार को जनजाति सांस्कृतिक महोत्सव 2026 आयोजित हुआ। सेवा समर्पण संस्थान और जिला प्रशासन के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में जनजातीय समाज की लोक परंपराएं, गीत-संगीत और करमा नृत्य की प्रस्तुतियां लोगों को खूब पसंद आईं। सोनभद्र में जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन पहले भी होते रहे हैं। हालांकि, महोत्सव के समय और व्यवस्थाओं पर सवाल भी उठे। आयोजकों के आमंत्रण पत्र में कार्यक्रम का समय सुबह 11

बजे तय किया गया था। लेकिन, जानकारी के मुताबिक मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गौड़ और प्रशासनिक अधिकारी शाम करीब चार बजे आयोजन स्थल पर पहुंचे। उनके पहुंचने के बाद ही कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियां शुरू हो पाईं। इस दौरान तेज गर्मी में ग्रामीणों को पर्याप्त छांव और बैठने की जगह न मिलने से काफी परेशानी हुई। महोत्सव में करमा पूजा और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां खास रहीं। मांदर और डोलक की थाप पर कलाकारों ने करमा नृत्य पेश किया। पारंपरिक वेशभूषा में आए ग्रामीणों और कलाकारों ने अपनी लोक

संस्कृति की झलक दिखाई। हाल के दिनों में जिले के दूसरे इलाकों में हुए जनजातीय संस्कृति महोत्सवों में भी करमा गीत-नृत्य और पारंपरिक पूजा कार्यक्रमों को खास जगह मिली है। कार्यक्रम के दौरान मंच से जनजातीय समाज के लिए चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी गई। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों ने पनारी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी उठाईं। ग्रामीणों ने बताया कि कई जगहों पर नल तो लगे हैं, लेकिन पानी की नियमित सफाई नहीं होती। कुछ संपर्क मार्गों पर सौलिंग के बाद डामर नहीं डलने से आवागमन पर असर पड़ रहा है।

जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पेयजल आपूर्ति का टीम गठित कर कराया जाए सत्यापन

संचालित विभिन्न विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों एवं अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिन विभागों एवं अधिकारियों को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका समय से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता नहीं होनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने जनपद में

प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन की पेयजल आपूर्ति का टीम गठित कर कराया जाए सत्यापन-समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में की जा रही पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि गांवों में जल जीवन मिशन के माध्यम से हो रही पेयजल आपूर्ति का टीम गठित कर स्थलीय सत्यापन एवं जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति का पता चल सके और ग्रामीणों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित हो। विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाएं बेहतर रखने के निर्देश-प्रभारी मंत्री ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्राथमिक एवं

सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष



ध्यान रखा जाए तथा पात्र लाभार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की

विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूर्ण करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक



पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेंस सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





श्री महन्तू

अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज



भारत ने जापान को टी-20 में 2 रन से हराया,श्रेयस अय्यर ने 16 रन बनाए, वॉशिंगटन सुंदर को 2 विकेट

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच में जापान

डिलोमेंटिक रिलेशन के 75 साल पूरे होने के अवसर पर किया



को 2 रन से हरा दिया है। मंगलवार को जापानी टीम को आखिरी ओवर में 8 रन की जरूरत थी, लेकिन जापानी बैटर्स 5 रन ही बना सके। सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर बारिश के कारण मैच ढाई घंटे की देरी से शुरू हुआ। इसलिए ओवर्स में कटौती की गई। 5-5 ओवर के इस मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 4 विकेट खोकर 32 रन बनाए। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा 16 रन बनाए। ओपनर अभिषेक शर्मा जीरो, संजु सैमसन 9 रन और ईशान किशन 3 रन पर आउट हुए। इस मुकाबले का आयोजन दोनों देशों के

जा रहा है। दोनों टीमों की प्लेइंग-11:-भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजु सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह। जापान: लचलान यामामोटो-लेक, रियो सकुरानो-थॉमस, केडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग (कप्तान), बेंजामिन इटो-डेविस, वातसु मियाउची (विकेटकीपर), एलेक्स शिराई-पैटमोर (विकेटकीपर), चार्ली हारा-हिंज, इब्राहिम ताकाहाशी, डेक्लान सुजुकी-मैककॉम्ब, मकतो तोतानियामा और शोमा सुगाया-स्लेटर।

क्या मच्छर आपको ज्यादा काटते हैं:समझें इसका साइंस, किन चीजों से आकर्षित होते मच्छर, बचाव के 7 आसान टिप्स

जयपुर। 'तुम्हारा खून बहुत मीठा है, इसलिए तुम्हें मच्छर ज्यादा काटते हैं'। यह बात आपने कई बार सुनी होगी। शायद गौर भी किया हो कि एक ही जगह पर मौजूद लोगों में से कुछ लोग ही मच्छरों के निशाने पर ज्यादा रहते हैं। इसे लेकर कई मिथ प्रचलित हैं, जिनमें 'मीठा खून होना' सबसे कॉमन है। अमेरिका की 'राॅकफेलर यूनिवर्सिटी' के जर्नल 'सेल' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कुछ लोग स्वाभाविक रूप से मच्छरों की ज्यादा आकर्षित करते हैं। इसके पीछे बाॅडी ओडर (शरीर की नेचुरल स्मेल) समेत कई बायोलॉजिकल फैक्टर्स हैं। इसलिए आज 'जबरत की खबर' में मच्छरों के काटने पर बात करेंगे। साथ ही जानेगे कि-इसके पीछे का साइंस क्या है? कौन-से रंग मच्छर को ज्यादा आकर्षित करते हैं? विषय को समझोगे एक्सपर्ट- डॉ. अजय नायर, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या कुछ लोगों को सक्मूच मच्छर ज्यादा काटते हैं या ये सिर्फ भ्रम है? जवाब- यह सिर्फ भ्रम नहीं, बल्कि हकीकत है। मच्छर कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में ज्यादा काटते हैं। सवाल- कुछ लोगों को मच्छर ज्यादा काटते हैं? जवाब- हर व्यक्ति का बाॅडी ओडर (शरीर की नेचुरल स्मेल), सांस के साथ बाहर निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड और शरीर का तापमान अलग होता है। इनकी वजह से मच्छर कुछ लोगों को ज्यादा काटते हैं। हर व्यक्ति की स्किन पर मौजूद सूक्ष्मजीव अलग-अलग केमिकल कंपाउंड बनाते हैं। यही वजह है कि हर व्यक्ति के शरीर की महक अलग होती है और कुछ लोग स्वाभाविक रूप से मच्छरों को ज्यादा आकर्षित करते हैं। सवाल- क्या इस पर कोई रिसर्च या स्टडी हुई है? जवाब- हां, इस विषय पर कई साइंटिफिक रिसर्च हुई हैं। इनमें सबसे चर्चित रिसर्च अमेरिका की 'राॅकफेलर यूनिवर्सिटी' की है। यह रिसर्च अक्टूबर 2022 में साइंस जर्नल 'सेल' में हुई। इसमें वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की है कि आखिर मच्छर कुछ लोगों ज्यादा क्यों काटते हैं। स्टडी कैसे हुई? रिसर्चर्स ने 64 स्वस्थ लोगों के स्किन

ओडर के सैंपल लिए। इसके लिए वॉलेंटियर्स को नायलॉन की स्लीव पहनाई गई, ताकि उन पर बाॅडी ओडर जमा हो सके। बाद में इन सैंपल्स को मच्छरों के सामने रखा गया और देखा गया कि मच्छर किस स्मेल की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं।(कितने लोग शामिल हुए? स्टडी में 64 स्वस्थ लोगों को शामिल किया गया। इनमें से मच्छरों को सबसे ज्यादा और सबसे कम आकर्षित करने वाले 8 लोगों को आगे की



जांच के लिए चुना गया। इन 8 लोगों के सैंपल्स की कई बार तुलना की गई, ताकि यह पता चल सके कि मच्छरों की पसंद समय के साथ बदलती है या नहीं। स्टडी में क्या पता चला? कुछ लोगों की ओर मच्छर लगातार दूसरों की तुलना में ज्यादा आकर्षित हुए। जिन लोगों की स्किन पर कार्बोक्सिलिक एसिड जैसे केमिकल कंपाउंड ज्यादा थे, उन्हें मच्छरों ने सबसे ज्यादा चुना। यह आकर्षण कई महीनों तक लगभग एक जैसा बना रहा। यानी कुछ लोग लगातार मच्छरों के लिए ज्यादा आकर्षक बने रहे। सवाल- स्किन माइक्रोबायोम क्या होता है? मच्छर के काटने में इसकी क्या भूमिका है? जवाब- इसे पॉइंटर्स जैसे केमिकल कंपाउंड कहा जाता है। ये बैक्टीरिया और दूसरे जर्म्स का गुप है। ये बैक्टीरिया पसीने और स्किन के नेचुरल ऑयल (सीबम) को तोड़कर कई तरह के केमिकल कंपाउंड बनाते हैं। इन केमिकल कंपाउंड की वजह से हर व्यक्ति के शरीर की ओडर अलग होती है।(जिन लोगों की स्किन पर कार्बोक्सिलिक एसिड जैसे केमिकल कंपाउंड ज्यादा बनते हैं, उनकी ओर मच्छर ज्यादा आकर्षित होते हैं। सवाल- किन लोगों को मच्छर ज्यादा काटते हैं? जवाब- मच्छर किन्हें ज्यादा काटते हैं, इन लोगों को

इंग्लैंड के मार्क वुड ने संन्यास लिया इंटरनेशनल क्रिकेट से,2 वर्ल्ड कप जीते, 146 मैच में 253 विकेट लिए

स्पोर्ट डेस्क। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने 36 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 11 साल के करियर में उन्होंने 146 मैचों में 253 विकेट लिए। इस दौरान वे इंग्लैंड की 2019 वनडे वर्ल्ड कप और 2022



टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने चार एशेज सीरीज भी खेरी। वुड का इंटरनेशनल करियर उपलब्धियों के साथ-साथ चोटों से जुझने के लिए भी जाना जाएगा। घुटने की चोट के बाद उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में दर्द के बावजूद गेंदबाजी की थी। इसके बाद सर्जरी हुई। करीब 8 महीने बाद पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्यटन टैस्ट से वापसी की, लेकिन उस मैच के दौरान घुटने में फिर परेशानी हो गई। उसके बाद वह दोबारा इंग्लैंड के लिए नहीं खेल सके। वुड ने कहा कि मेडिकल सलाह के बाद अब उनके लिए टेस्ट और 50 ओवर का क्रिकेट खेलना संभव नहीं है। 2019 वर्ल्ड कप में 18 विकेट-वुड के करियर का सबसे बड़ा दौर 2019 रहा। इंग्लैंड में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने 18 विकेट लिए। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने दर्द और साइड स्ट्रेन के बावजूद गेंदबाजी की। इंग्लैंड और

न्यूजीलैंड का फाइनल टाई होने के बाद सुपर ओवर तक गया था। वुड ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी बल्लेबाजों पर अपनी रफ्तार से दबाव बनाया और फाइनल में रॉस टेलर का विकेट भी लिया। इसी टीम ने सुपर ओवर में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीता। 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में 4 मैच, 9 विकेट- 2019 की सफलता के तीन साल बाद वुड इंग्लैंड की दूसरी वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा बने। ऑस्ट्रेलिया में हुए 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने 4 मैचों में 9 विकेट लिए। इंग्लैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता। एशेज में 2015 से 2023 तक यादगार पल-वुड ने चार एशेज सीरीज खेरीं। 2015 में अपने पहले ही एशेज अभियान में उन्होंने ट्रेट ब्रिज टेस्ट में नाथन लियोन का विकेट लेकर इंग्लैंड की सीरीज जीत पक्की की थी।

2021-22 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वे इंग्लैंड के सबसे प्रभावी गेंदबाजों में रहे और सीरीज में 17 विकेट लिए। हालांकि इंग्लैंड वह एशेज सीरीज हार गया था।2023 में उन्होंने टेस्ट टीम में वापसी की और हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तेज गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया।

इंग्लैंड उस समय सीरीज में 2-0 से पीछे था। वुड के प्रदर्शन से इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट जीता और अंत में सीरीज 2-2 से ड्रा करवाई। उन्हें उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

लिम्फेटिक फाइलेरिया (हाथीपांव) मच्छरों से बचाव के टिप्स-- मस्कीटो रिपेलेंट लगाएं। पूरी बाजू के कपड़े पहनें। फुल पैट पहनें। हल्के रंग के कपड़े पहनें। मच्छरदानी में सोएं। घर के आसपास पानी जमाने से बचें। कूलर, गमले, पानी टंकियां साफ रखें। मच्छरों से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ने वाले लोगों को मच्छर जल्दी ढूंढ लेते हैं? जवाब- हां, मच्छर इंसानों का पता लगाने के लिए सबसे पहले सांस के साथ बाहर निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) को पहचानते हैं। इसके जरिए वे दूर से ही इंसान की मौजूदगी का अंदाजा लगा लेते हैं। सवाल- क्या बड़ों के मुकाबले बच्चों को मच्छर ज्यादा काटते हैं? जवाब- नहीं, इसकी वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, बच्चों की स्किन पतली और ज्यादा सेंसिटिव होती है। इसलिए मच्छर के काटने के बाद रेडनेस, सूजन और खुजली उनके शरीर पर ज्यादा स्पष्ट दिखाई दे सकती है। इससे कई बार ऐसा लगता है कि बच्चों को ज्यादा मच्छर काटते हैं। जवाब- क्या शराब पीने के बाद मच्छर ज्यादा आकर्षित होते हैं? जवाब- हां, शराब पीने के बाद मच्छरों के काटने का रिस्क बढ़ जाता है। माना जाता है कि शराब शरीर के तापमान और सांस लेने की प्रक्रिया में बदलाव लाती है। इससे मच्छर जल्दी आकर्षित होते हैं। सवाल- क्या ज्यादा चीनी खाने से मच्छर ज्यादा काटते हैं? जवाब- नहीं, अभी तक ऐसा कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है। सवाल- क्या तंबाकू खाने या सिगरेट पीने वाले लोगों को मच्छर कम काटते हैं? जवाब- नहीं, यह धारणा सिर्फ एक मिथक है। सवाल- क्या मच्छर डियोडोरेंट या परफ्यूम से आकर्षित होते हैं? जवाब- हां, कुछ मामलों में। फूलों जैसी तेज खुशबू वाले कुछ परफ्यूम मच्छरों को आकर्षित कर सकते हैं। सवाल- क्या लहसुन खाने से मच्छर दूर रहते हैं? जवाब- नहीं, लहसुन खाने से बाॅडी ओडर इतनी नहीं बदलती कि मच्छर दूर रहे। सवाल- क्या नींबू और लौंग लगाने से मच्छर भाग जाते हैं? जवाब- नींबू और लौंग की खुशबू कुछ समय के लिए मच्छरों को कम आकर्षित कर सकती है, लेकिन इसका असर सीमित होता है।

एशियन गेम्स-2026 में भारत को पहला गोल्ड,भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार सोना जीता, श्रीलंका को 147 रन से हराया

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार

कौशानी आगे निकलकर शॉट खेलने गई, लेकिन गेंद बल्ले को चक्का देकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। इसके साथ ही



को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। टीम ने 2022 गेम्स में भी गोल्ड जीता था। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। मंधाना ने 79 रन की पारी खेली- भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया। दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटक-श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर ही खेल सकी। चामरी अट्टापट्टु ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, जबकि कौशानी नुध्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए।भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरण्णी को भी 2-2 विकेट मिले। श्रीलंका के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इस गोल्ड के साथ भारत टॉप-10 में पहुंचा-इस गोल्ड मेडल के साथ भारत एशियन गेम्स-2026 की मेडल टेबल में टॉप-10 में पहुंच गया है। भारत के खाते में अब तक

कौशानी आगे निकलकर शॉट खेलने गई, लेकिन गेंद बल्ले को चक्का देकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। इसके साथ ही

दीप्ति शर्मा की गेंद पर उन्होंने स्वीप शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद का हल्का किनारा लगा। विकेटकीपर ऋचा घोष ने रिबाउंड पर कैच पकड़ लिया। यह दीप्ति शर्मा का चौथा विकेट रहा। श्रीलंका का 7वां विकेट गिरा-श्रीलंका का सातवां विकेट



1 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल हैं। दोनों टीमों की प्लेइंग-11:- भारत :- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जी. कमालिनी, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारतीय फुलमाली, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, क्रांति गौड़, एन. श्री चरण्णी, नंदनी शर्मा।श्रीलंका: इमेशा दुलानी, चमारी अट्टापट्टु (कप्तान), हसीनी परेरा, कविशा दिलहारी, हर्षिता समरविक्रमा, हसिमा करुणारत्ने, कौशानी नुध्यांगना (विकेटकीपर), काव्या काविंदी, मिथाली अयोध्या, चामुडी प्रभोदा, सुगंधिका कुमारी। अपडेट्स:-भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड जीता-भारत ने एशियन गेम्स 2026 में विमेंस क्रिकेट का गोल्ड मेडल जीत लिया। श्रीलंका 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रेयंका पाटिल ने कौशानी नुध्यांगना को बोल कर भारत को जीत दिलाई। श्रेयंका की फुल और स्टंप्स पर आती गेंद पर

ने आसान कैच पकड़ा। श्रेयंका ने हर्षिका को कैच एंड बोल किया-श्रीलंका को 7.3 ओवर में तीसरा झटका लगा। हर्षिता समरविक्रमा 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हुई। श्रेयंका पाटिल की गेंद पर उन्होंने बल्ला जल्दी बंद कर दिया, जिससे गेंद का किनारा लगकर सीधे गेंदबाज के पास गई। श्रेयंका ने खुद ही कैच पकड़कर विकेट हासिल

रन बनाए, जो एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। मंधाना 79 रन बनाकर आउट हो गई। उन्होंने 45 गेंदों में 5 चौके और 7 छक्के लगाए। सुगंधिका कुमारी की गेंद पर मंधाना ने स्लॉग स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद को ज्यादा दूरी नहीं दे सकी और डीप स्वायार



किया। शेफाली ने श्रीलंका को दूसरा झटका दिया-5वें ओवर में श्रीलंका का दूसरा विकेट गिरा। हसिनी परेरा 3 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गई। शेफाली वर्मा की धीमी गेंद पर परेरा बड़ा शॉट खेलने के लिए



आगे निकलीं, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में चली गई। कवर पर भारती फुलमाली ने आसान कैच पकड़ा। श्रीलंका का पहला विकेट गिरा-श्रीलंका को तीसरे ओवर में पहला झटका लगा। इमेशा दुलानी 10 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हुई। शेफाली वर्मा की गेंद पर ऋचा घोष ने उन्हें स्टंपिंग कर दिया। दबाव के बीच दुलानी ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और ऋचा ने आसानी से स्टंपिंग कर दी। श्रीलंका की पारी शुरू, पहले ओवर में 3 रन बने-श्रीलंका ने चेज की शुरुआत 3 रन से की। पहले ओवर के बाद टीम का स्कोर 3/0 है। चामरी अट्टापट्टु ने 2 गेंदों पर 3 रन बनाए, जबकि इमेशा दुलानी 4 गेंदों पर खाता नहीं खोल सकीं। भारत की ओर से क्रांति गौड़ ने पहला ओवर किया। 5वीं गेंद पर इमेशा दुलानी का कैच श्रेयंका पाटिल ने स्लिप में छेड़ दिया। भारत ने 216 रन बनाए, एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट का हाईएस्ट स्कोर-भारत ने आखिरी ओवर में 25 रन बटोरे।

लेग पर कविशा दिलहारी ने कैच पकड़ लिया। हरमनप्रीत कौर 19 रन पर आउट-हरमनप्रीत कौर 19 रन बनाकर आउट हो गई। उन्होंने 17 गेंदों में 3 चौके लगाए। कविशा दिलहारी की गेंद पर हरमनप्रीत ने लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में ऊंची चली गई और चमारी अट्टापट्टु ने आसान कैच पकड़ लिया। विमेंस टी-20 में मंधाना-शेफाली की जोड़ी टॉप पर-विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में किसी भी विकेट के लिए सबसे ज्यादा रन की साझेदारी के मामले में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी 4,000 प्लस रन के साथ सबसे आगे हैं। इसके बाद यूएई की ईशा ओजा-धीरथा सतीश की जोड़ी 2,949 रन के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली-बेथ मूनी 2,720 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं। शेफाली अर्धशतक से चूंकी-शेफाली वर्मा 48 रन बनाकर आउट हो गई। उन्होंने 29 गेंदों की पारी में 3 चौके और 3 छक्के लगाए। चामुडी प्रभोदा की शॉर्ट गेंद पर शेफाली ने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में ऊंची चली गई और बैकवर्ड पॉइंट पर काव्या काविंदी ने कैच पकड़ लिया। इसके साथ 99 रन की ओपनिंग साझेदारी टूट गई। मंधाना का 37वां टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक पूरा कर लिया। 10वें ओवर में उन्होंने शॉर्ट गेंद को डीप-विकेट की ओर खेलकर सिंगल लिया और इस मुकाम तक पहुंचीं। 5वें ओवर में भारत ने 19 रन बनाए-पांचवें ओवर में भारत ने 19 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने लगातार दो छक्के लगाए, जबकि स्मृति मंधाना ने ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का जड़ा। इस ओवर के बाद भारत का स्कोर 59/0 हो गया है। मंधाना 36 और शेफाली 23 रन पर खेल रही हैं। भारत की बैटिंग शुरू-पहले ओवर में भारत ने 9



ऋचा घोष ने लगातार दो छक्के लगाने के बाद आखिरी गेंद पर चौका जड़ा और 49 रन पर नबाद रहीं। भारती फुलमाली 7 रन पर नबाद रहीं। भारत ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 216

रन बनाए। शेफाली वर्मा ने पहली गेंद पर सिंगल लिया, जबकि स्मृति मंधाना ने लगातार दो चौके लगाकर पारी की शुरुआत की। ओवर की 6 गेंदों के बाद मंधाना 8 और शेफाली 1 रन पर हैं।

क्या हम वाकई समृद्धि का दूसरा पहलू देख रहे हैं?

गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर जब पूरे गोवा में घरों की

में मूप्त किया जा सकता है। इसलिए उन्हें इस पर भरोसा था।

भाई माइन्स में टूक ड्राइवर था और घर बनाने के कुछ समय



सफाई हो रही थी, दीये जलाए जा रहे थे और परिवार भगवान गणेश के स्वागत की तैयारी कर रहे थे, तब 65 साल के अशोक परनेम में कासरवर्ने के देउलवाड़ा वार्ड में एक छोटे-से घर में बीमार पड़े थे। 20 वर्गमीटर का यह छोटा-सा घर उनकी दो विधवा बहनों के बड़े मकानों के बीच बाद में बनाया गया था। दोनों बहनें दो हजार रुपए महीने की सरकारी मदद पर गुजारा करती थीं और बारी-बारी से अशोक की देखभाल करती थीं। कभी अशोक एक होटल में कार्यरत थे और जो भी छोटा-मोटा काम मिलता, कर लेते थे। फिर दो साल पहले उनका एक पैर काटना पड़ा। काम छूट गया। जिंदगी सिमटती चली गई। वे बैसाखियों के सहारे थोड़ा-सा चलते हुए बहनों के घर जाते और वापस उस ठिकाने पर आ जाते, जिसे वे अपना कहते थे। जब मैंने उनकी कहानी पढ़ी तो भीतर तक हिल गया। आखिर क्यों, आगे पढ़िए। 13 सितंबर को अशोक गंभीर बीमार पड़ गए। मुफ्त 108 एंबुलेंस से उन्हें समीप के हेल्थ सेंटर लाया गया, जहां उन्हें 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया गया। सरकार के लिए उनकी मौत एक संख्या थी। लेकिन दोनों बहनें, जो अशोक के अशोक के परिवार के आखिरी पुरुष की मौत थी। उन्होंने सुना था कि गरीब लोगों का अंतिम संस्कार परनेम के नगरपालिका के श्मशान घाट

दोनों ने पैसे मिला कर एक वाहन किराए पर किया और भाई के शव को वहां ले गई। कल्पना कीजिए उस सफर की- दो गरीब विधवाएं इस उम्मीद में अपने भाई के शव के साथ बैठी थीं कि कहीं किसी सरकारी इमारत में गरीब आदमी को अंतिम विदाई देने की जगह जरूर होगी। वे शाम को श्मशान घाट पहुंचीं। वह खाली था, कोई अटेंडेंट भी नहीं और ऐसा भी कोई नहीं, जिससे कुछ पूछा जा सके। और फिर उन्हें पता चला कि उनके पास क्या नहीं था- जलाने के लिए लकड़ी। उनके पास लकड़ी खरीदने के पैसे नहीं थे। न ही वे अशोक के शव को वापस ले जाने का खर्च उठा सकती थीं। और इसीलिए, उस रात दोनों बहनों को कुछ ऐसा करना पड़ा, जो किसी बहन को कभी नहीं करना चाहिए। वे भाई का शव वहीं छोड़कर चली गईं। इसलिए नहीं कि उन्हें उनसे प्यार नहीं था। शायद इसलिए कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा था। वे उनके बिना घर लौट गईं। अगली सुबह पुलिस को श्मशान में एक सड़ता हुआ शव मिला। कुछ समय तक वह शव अज्ञात था। लेकिन पुलिस सब-इंस्पेक्टर आदित्य गड तलाश करते रहे। आखिरकार वे 20 वर्गमीटर के उस छोटे-से घर तक पहुंच गए, जो अशोक का था। उनकी दो बहनें थीं। कभी उनके पास नौकरी थी। कभी वह दो पैरों पर चलते थे। वह एक घर में रहते थे, जिसे उनके भाई ने बनाया था। उनका

बाद वह भी चल बसे थे। इसके बाद परिवार गरीबी में चला गया। और अब अशोक भी नहीं रहे। पुलिस ने बिना पोस्टमार्टम के अशोक का शव परिवार को सौंप दिया। रिश्तेदारों ने मिलकर पैसे जुटाए और इस बार उन्होंने वो चीज खरीद ली, जो अशोक का परिवार नहीं खरीद पाया-लकड़ी। आखिरकार, अशोक का अंतिम संस्कार हो गया।-लेकिन मैं उस रात के बारे में सोचता रहता हूँ, जब दोनों बहनें अपने भाई के बिना घर लौट रही थीं। वे जरूर उस चीज के बारे में सोच रही होंगी, जिसका हिसाब कभी किसी परिवार को नहीं लगाना चाहिए-किसी को अंतिम विदाई देने में आखिर कितना खर्च आता है? अशोक की बहनों ने उसे नहीं छोड़ा था, बल्कि गरीबी ने पहले ही उन्हें इस हाल में लाकर छोड़ दिया था। अशोक जैसे भी लोग हैं, जिन्हें हमसे बहुत थोड़ा-सा चाहिए।

न घर। न नौकरी। यहां तक कि खाना भी नहीं। बस इतनी लकड़ी कि वे इस दुनिया से सम्मान के साथ विदा हो सके। यह लिखते हुए मैं अपने कंप्यूटर की स्क्रीन नहीं देख पा रहा हूँ, क्योंकि आंखें सजल थीं। फंडा यह है कि कोई समाज वास्तव में तब तक समृद्ध नहीं है, जब तक उसके सबसे गरीब लोग सम्मानजनक अंतिम विदाई देने का खर्च भी न उठा सके।एन. रघुरामन

साफ हवा-पानी या विकास, इस प्रश्न पर समाज बंटा हुआ है

जलवायु-नीतियों के केंद्र में एक विरोधाभास है। दुनिया भर में लोग चाहते हैं कि सरकारें ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए कदम उठाएं। फिर भी, कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वोटर ऐसी पार्टियों का समर्थन कर रहे हैं, जो जलवायु संकट से या तो

भरोसा करने को कह रही हैं कि इस बार का व्यापक बदलाव पिछले वाले से अधिक न्यायपूर्ण होगा। अर्थ4ऑल का सर्वे आज वैधता के इसी संकट को सामने रखता है। 17 देशों के 13516 लोगों पर यह सर्वे किया गया, जिनमें चीन, रूस और सऊदी अरब को छोड़कर

कीमतों में उछाल आए। इनमें अमेरिकी भी शामिल हैं, हालांकि ट्रम्प ने जलवायु संबंधी कई अहम नीतियों को खत्म कर दिया है। लेकिन सभी 17 देशों में निम्न-आय वर्ग और दक्षिणपंथ की ओर झुकाव रखने वाले लोगों के बीच इस समर्थन में गिरावट दिखाई है।



इनकार करती हैं या उसकी गम्भीरता को कम करके पेश करती हैं।यह विरोधाभास गहरी आर्थिक विषमता से उपजा है। इस साल की शुरुआत में जहां एक तरफ इलॉन मस्क ट्रिलियनेयर बने थे, वहीं अर्थ4ऑल के लिए इप्सोस की ओर से किए गए सर्वे में यह भी सामने आया कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 10 में से 4 लोगों को डर था कि अगले 12 महीनों में उनका परिवार बुनियादी जरूरतें पूरी करने लायक भी नहीं रहेगा। निम्न-आय वाले देशों में आर्थिक असुरक्षा की स्थिति तो इससे भी ज्यादा गम्भीर है। इस आंकड़े के पीछे चार दशकों के अधूरे वादे छिपे हैं। सम्यति का फायदा निचले तबके तक पहुंचने का नव-उदारवादी विजन सिरें नहीं चढ़ पाया है। 2008 के वित्तीय संकट और उसके बाद आए वैश्विक झटकों ने उस व्यवस्था की कमियां भी उजागर कर दीं, जिसमें मुनाफा तो निजी हाथों में जाता है, लेकिन जोखिमों को समाज के सिर डाल दिया जाता है। इसमें भी सबसे ज्यादा कीमत गरीबों को चुकानी पड़ती है। नतीजतन, सरकारों के प्रति अविश्वास और गहरा होता गया।लेकिन अब वही सरकारें लोगों से अपने इस अश्वासन पर

जी20 के सदस्य देश और स्वीडन भी शामिल हैं। सर्वे में 70फीसदी लोगों ने माना कि उनके देश में आर्थिक असमानता बहुत ज्यादा है, जबकि 65फीसदी ने कहा कि आर्थिक व्यवस्था 'अमीरों और ताकतवर लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई है'। दो-तिहाई से ज्यादा लोग आर्थिक व्यवस्था में बड़े बदलाव चाहते हैं, जबकि सिर्फ 8 फीसदी लोग इससे असहमत हैं। लोगों के अपने अनुभवों से भी इन जवाबों की पुष्टि होती है और ये तार्किक भी हैं। ऐसी दुनिया में जहां दौलत कुछ लोगों के ही हाथों में सिमट गई है और बड़ी कंपनियां तथा सुपर-रिच लोग नियम-कायदों, कर-व्यवस्था और सरकारी खर्च को अपने फायदे के लिए उपयोग कर लेते हैं। यह धारणा सही है कि नियम ताकतवर लोगों ने अपने ही फायदे के लिए बनाए हैं। विषमता रचने वाली यह राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था ही सस्ती ऊर्जा, अच्छे रोजगार, सार्वजनिक सेवाएं और जलवायु संकट से निपटने की सरकारों की क्षमता को भी कमजोर करती है। इसी वजह से क्लाइमेट एक्शन के लिए जनसमर्थन शर्तों पर टिका हुआ है। सर्वे में शामिल देशों में 54फीसदी लोग ग्रीनहाउस उत्सर्जन कम करने के लिए सरकार की मजबूत कार्यवाई का समर्थन करते हैं, भले ही इससे

जलवायु नीतियां यदि सर्वाधिक उत्सर्जन करने वाले अमीरों के लिए सबकुछ पहले जैसा ही चलते रहने देंगी तो उन्हें सामाजिक और राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सकता। सर्वे में 67फीसदी लोगों ने कहा कि एक दशक पहले की तुलना में उनका देश अब ज्यादा विभाजित लगता है।सामाजिक एकजुटता में तेजी से आ रही गिरावट से चुनौती और बढ़ जाती है। राजनीतिक विभाजन तो सबसे ज्यादा दिखाई देता है। इसी तरह उच्च और निम्न आय वर्ग के लोगों के बीच तनाव 63फीसदी, प्रवासियों और मूल निवासियों के बीच 62फीसदी तथा जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित और इस पर संदेह करने वाले लोगों के बीच 53फीसदी रहा। ऐसे विभाजित समाजों के लिए सामूहिक फैसले लेना, लागत साझा करना और ऐसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को आगे बढ़ाना मुश्किल होता है, जिनका लाभ मिलने में वर्षों या दशकों का समय लग सकता है। उस व्यवस्था की कमियां उजागर हुई हैं, जिसमें मुनाफा तो निजी हाथों में जाता है, लेकिन जोखिमों को समाज के सिर डाल दिया जाता है। सबसे ज्यादा कीमत गरीबों को चुकानी पड़ती है। सरकारों के प्रति अविश्वास और गहरा होता गया है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,जयंती घोष)

जलवायु नीतियों के केंद्र में एक विरोधाभास है। दुनिया भर में लोग चाहते हैं कि सरकारें ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए कदम उठाएं। फिर भी, कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वोटर ऐसी पार्टियों का समर्थन कर रहे हैं, जो जलवायु संकट से या तो

जरूरत से ज्यादा जांचें और दवाइयां भी अपने आप में एक बीमारी हैं

हाल ही में दो खबरें सामने आईं। पहली यह थी कि भारत के लगभग दस में से नौ वयस्कों में कोलेस्ट्रॉल या अन्य लिपिड का स्तर सामान्य सीमा से उपर या नीचे

के लिए एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 55 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे रखने की सलाह दी जाती है। इससे पहले यह सीमा 70 थी। नई दवा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 56 से



है। दूसरी खबर अमेरिका से आई, जहां ऐसी नई दवाई को मंजूरी मिली है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 60फीसदी तक घटा सकती है। यह महज संयोग हो सकता है, लेकिन यह एक असुविधाजनक प्रश्न भी उठाता है : क्या किसी बीमारी का बोझ हमें तभी याद दिलाया जाता है, जब उसके इलाज के लिए नया बाजार तैयार होता है? मोटापा घटाने वाली दवाओं का हालिया अनुभव इसका स्पष्ट उदाहरण है। मोटापा वर्षों से बढ़ रहा था। लेकिन नई दवाओं के आते ही मोटापा चिकित्सा और मीडिया की सबसे चर्चित समस्याओं में शामिल हो गया। इससे जागरूकता तो बढ़ी, पर वजन को दवा से ठीक होने वाली बीमारी बना दिया गया। शारीरिक निष्क्रियता, तनाव, प्रोसेस्ड फूड जैसे मूल कारण पीछे छूट गए। भारत में हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और फैंटी लिवर बढ़ रहे हैं। हमारी जीवनशैली में बैठना बढ़ा है, चलना घटा है और भोजन में चीनी, मैदा तथा प्रोसेस्ड फूड बढ़े हैं। पिछले कुछ सालों में लिपिड और कोलेस्ट्रॉल उपचार के लक्ष्य लगातार नीचे आए हैं। अधिक जोखिम वाले मरीजों

59फीसदी तक घटा सकती है। लेकिन हर मरीज को इसकी जरूरत नहीं है। यह उनके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें पहले हृदयाघात हो चुका है, जिनका हृदय जोखिम अधिक है या जिन्हें आनुवंशिक रूप से अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल रहता है। इसी समय आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन के परिणाम भी आए। यह अध्ययन भारत के 23,665 वयस्कों पर आधारित था और इसमें पाया गया कि 87.3फीसदी लोगों में लिपिड से जुड़ी कम से कम एक असामान्यता थी। यहां यह समझना जरूरी है कि इसका अर्थ यह नहीं कि लगभग 90फीसदी भारतीयों का खराब कोलेस्ट्रॉल खतरनाक स्तर पर है या उन्हें दवा शुरू कर देनी चाहिए। इसमें वो लोग भी शामिल हैं, जिनका एचडीएल लेवल कम है। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल माना जाता है लेकिन इसको बढ़ाने की दवा नहीं आती है। यह सिर्फ अच्छी और स्वस्थ दिनचर्या से ही बढ़ सकता है। समस्या तब शुरू होती है, जब उपचार से हसिल किए जाने वाले लक्ष्य पूरी आबादी के लिए सामान्य मान लिए जाते हैं।

भारत की राजनीति में कोई एक समान ‘यूथ वोट’ नहीं है

देश वे5 अलग-अलग हिस्सों में युवाओं के प्रदर्शनों

बीच सपा भाजपा से बहुत पीछे नहीं थी। 18-21 वर्ष



के बाद उभरते हुए 'युवा वोट बैंक' की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। सवाल उठ रहे हैं कि आगामी चुनावों में युवा क्या भूमिका निभा सकते हैं? क्या वे चुनावी नतीजों तय करने में निर्णायक भूमिका निभाने जा रहे हैं? यह चर्चा इसलिए भी अहम है, क्योंकि अगले वर्ष महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इनमें से भाजपा यूपी में बीते दस वर्षों से और गुजरात में तो तीन दशकों से सत्ता में है।यह तो निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने युवा वोटरों का कितना समर्थन खोया है, लेकिन इस वक्त देश वे युवाओं में एक बेचैनी जरूर दिखाई दे रही है। युवा वोटरों के मन को पढ़ना मुश्किल हो सकता है, लेकिन लोकनीति-सीएसडीएस वे5 सर्वे आंकड़े बताते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में युवाओं ने भागीदारी नहीं निभाई थी। राज्यों के हिसाब से स्थिति अलग-अलग भी हो सकती है। इस चुनाव में सबसे कम उम्र वाले 18-21 वर्ष के वोटरों का मतदान प्रतिशत औसत मतदान से 6फीसदी कम रहा। 22-25 आयु वर्ग के 68फीसदी वोटरों ने वोट दिया, जो औसत वोटिंग से अधिक था। बिहार में 18-21 वर्ष वाले केवल 41फीसदी युवाओं ने मतदान किया, जबकि राज्य में कुल 67.3फीसदी वोटिंग रही थी। यूपी में सबसे कम उम्र के वोटरों का मतदान प्रतिशत 51फीसदी था, जबकि राज्य का औसत मतदान 61.1फीसदी रहा। कई अन्य राज्यों में तस्वीर उलट थी। रही। मध्य प्रदेश में 18-21 वर्ष के वोटरों का मतदान 89फीसदी रहा, जो कुल 75.6फीसदी मतदान से काफी ज्यादा था। पंजाब में यह 77फीसदी और गुजरात में 78फीसदी रहा, जो सबसे कम उम्र के वोटरों की बड़ी भागीदारी को दर्शाता है।

बंगाल और तमिलनाडु में तो युवा वोटरों की भागीदारी विशेष रूप से बहुत ज्यादा रही। 18-21 वर्ष वे5 मतदाताओं ने बंगाल में 93फीसदी और तमिलनाडु में 90फीसदी मतदान किया। बंगाल और असम में 22-25 वर्ष आयु वर्ग के वोटरों का मतदान 95फीसदी तक पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि भारतीय राजनीति में कोई एक समान 'यूथ वोट' नहीं है। बंगाल एक अहम उदाहरण पेश करता है कि चुनाव-दर-चुनाव युवाओं की पसंद कितनी तेजी से बदल सकती है। 2021 से 2026 के बीच युवा वोटर उल्लेखनीय रूप से तुणमूल से भाजपा की ओर खिसकते दिखाई दिए। यूपी एक अलग तस्वीर दिखाता है। 2022 में भाजपा ने सपा को हराकर स्पष्ट जीत दर्ज की थी, लेकिन युवा वोटरों के

आयु-वर्गों में भाजपा गठबंधन ने 44इ और सपा गठबंधन ने 38फीसदी और 39फीसदी वोट बंटोरे थे। ये उदाहरण दिखाते हैं कि युवा वोटरों की पसंद अलग-अलग चुनावों में काफी बदल सकती है। यह भी जरूरी नहीं कि युवा वोटर हमेशा जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को ही वोट दें। वे हारने वाले दल का समर्थन भी कर सकते हैं, जैसा हमने उत्तराखंड और बिहार में देखा। उत्तराखंड में 2022 के विधानसभा चुनाव में 18-21 वर्ष के 48फीसदी वोटरों ने कांग्रेस को वोट दिया, जबकि भाजपा ने युवा वोटरों का मतदान प्रतिशत औसत मतदान से 6फीसदी कम रहा। 22-25 आयु वर्ग के 68फीसदी वोटरों ने वोट दिया, जो औसत वोटिंग से अधिक था। बिहार में 18-21 वर्ष वाले केवल 41फीसदी युवाओं ने मतदान किया, जबकि राज्य में कुल 67.3फीसदी वोटिंग रही थी। यूपी में सबसे कम उम्र के वोटरों का मतदान प्रतिशत 51फीसदी था, जबकि राज्य का औसत मतदान 61.1फीसदी रहा। कई अन्य राज्यों में तस्वीर उलट थी। रही। मध्य प्रदेश में 18-21 वर्ष के वोटरों का मतदान 89फीसदी रहा, जो कुल 75.6फीसदी मतदान से काफी ज्यादा था। पंजाब में यह 77फीसदी और गुजरात में 78फीसदी रहा, जो सबसे कम उम्र के वोटरों की बड़ी भागीदारी को दर्शाता है।

बंगाल और तमिलनाडु में तो युवा वोटरों की भागीदारी विशेष रूप से बहुत ज्यादा रही। 18-21 वर्ष वे5 मतदाताओं ने बंगाल में 93फीसदी और तमिलनाडु में 90फीसदी मतदान किया। बंगाल और असम में 22-25 वर्ष आयु वर्ग के वोटरों का मतदान 95फीसदी तक पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि भारतीय राजनीति में कोई एक समान 'यूथ वोट' नहीं है। बंगाल एक अहम उदाहरण पेश करता है कि चुनाव-दर-चुनाव युवाओं की पसंद कितनी तेजी से बदल सकती है। 2021 से 2026 के बीच युवा वोटर उल्लेखनीय रूप से तुणमूल से भाजपा की ओर खिसकते दिखाई दिए। यूपी एक अलग तस्वीर दिखाता है। 2022 में भाजपा ने सपा को हराकर स्पष्ट जीत दर्ज की थी, लेकिन युवा वोटरों के

आयु-वर्गों में भाजपा गठबंधन ने 44इ और सपा गठबंधन ने 38फीसदी और 39फीसदी वोट बंटोरे थे। ये उदाहरण दिखाते हैं कि युवा वोटरों की पसंद अलग-अलग चुनावों में काफी बदल सकती है। यह भी जरूरी नहीं कि युवा वोटर हमेशा जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को ही वोट दें। वे हारने वाले दल का समर्थन भी कर सकते हैं, जैसा हमने उत्तराखंड और बिहार में देखा। उत्तराखंड में 2022 के विधानसभा चुनाव में 18-21 वर्ष के 48फीसदी वोटरों ने कांग्रेस को वोट दिया, जबकि भाजपा ने युवा वोटरों का मतदान प्रतिशत औसत मतदान से 6फीसदी कम रहा। 22-25 आयु वर्ग के 68फीसदी वोटरों ने वोट दिया, जो औसत वोटिंग से अधिक था। बिहार में 18-21 वर्ष वाले केवल 41फीसदी युवाओं ने मतदान किया, जबकि राज्य में कुल 67.3फीसदी वोटिंग रही थी। यूपी में सबसे कम उम्र के वोटरों का मतदान प्रतिशत 51फीसदी था, जबकि राज्य का औसत मतदान 61.1फीसदी रहा। कई अन्य राज्यों में तस्वीर उलट थी। रही। मध्य प्रदेश में 18-21 वर्ष के वोटरों का मतदान 89फीसदी रहा, जो कुल 75.6फीसदी मतदान से काफी ज्यादा था। पंजाब में यह 77फीसदी और गुजरात में 78फीसदी रहा, जो सबसे कम उम्र के वोटरों की बड़ी भागीदारी को दर्शाता है।

बंगाल और तमिलनाडु में तो युवा वोटरों की भागीदारी विशेष रूप से बहुत ज्यादा रही। 18-21 वर्ष वे5 मतदाताओं ने बंगाल में 93फीसदी और तमिलनाडु में 90फीसदी मतदान किया। बंगाल और असम में 22-25 वर्ष आयु वर्ग के वोटरों का मतदान 95फीसदी तक पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि भारतीय राजनीति में कोई एक समान 'यूथ वोट' नहीं है। बंगाल एक अहम उदाहरण पेश करता है कि चुनाव-दर-चुनाव युवाओं की पसंद कितनी तेजी से बदल सकती है। 2021 से 2026 के बीच युवा वोटर उल्लेखनीय रूप से तुणमूल से भाजपा की ओर खिसकते दिखाई दिए। यूपी एक अलग तस्वीर दिखाता है। 2022 में भाजपा ने सपा को हराकर स्पष्ट जीत दर्ज की थी, लेकिन युवा वोटरों के

‘बेस्ट’ बनने के साथ ही ‘बेस्ट लोगों’ के साथ रहना भी जरूरी है

अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने 17 साल की उम्र में कोई नेशनल या इंटरनेशनल

लर्निंग पर रिसर्च पेपर लिखे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया गया। किसी

को मेंटर कर चुके जिमी बा जैसे प्रोफेसर भी कहते हैं कि यह लड़का उन सभी में बेहद

इंटेलेक्चुअल इकोसिस्टम तैयार करते हैं। एक बार स्टूडेंट को अपनी मंजिल पता चल जाए तो



प्रतियोगिता जीती है तो आप अपने कॅरिअर-पाथ और उस यूनिवर्सिटी को चुनने में काफी सावधानी बरतेंगे, जिसमें पढ़कर आप उस डोमेन एरिया के एक्सपर्ट बनना चाहते हैं, जिसमें आपने प्राइज जीता है। 17 साल की उम्र में उन्होंने चीन के नेशनल एंड ओलंपियाड इन इंफॉर्मेटिक्स में हिस्सा लिया। उनका दाखिला शिंगहूआ यूनिवर्सिटी में हुआ, जो चीन के कई शीर्ष एआई रिसर्चर्स के लिए अमेरिका की विभिन्न यूनिवर्सिटीज तक पहुंचने का अहम लॉन्गपैड रहा है। एक अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट के लिए यह असामान्य है। वे अकसर अपनी बुद्धिमत्ता से साथियों को प्रभावित करते और कॉलेज में काफी चर्चित हो गए थे। उन्होंने 2015 में पीएचडी के लिए अमेरिका की कार्नेगी मेलॉन यूनिवर्सिटी को चुना। वहां ऐसी समस्याएं होती थीं, जिन्हें सुलझाने में लोग कई हफ्ते लगा देते थे और अकसर समाधान तक नहीं पहुंच पाते थे। लेकिन वे समस्या के बारे में वृुष्ठ भी सोचे बिना सीधे ब्लैकबोर्ड पर समाधान लिख देते थे। कार्नेगी मेलॉन में अपने कार्यकाल के आखिरी दौर में उन्होंने गूगल ब्रेन में इंटरनशिप करने का फैसला किया। वहां उन्होंने गूगल ब्रेन के संस्थापक सदस्य क्वोक-वी-ले के साथ मशीन लर्निंग पर दो रिसर्च पेपर लिखे, जिनके आज 20 हजार से ज्यादा साइटेशन दिए जा चुके हैं। किसी पीएचडी छात्र के लिए ऐसे पेपर पब्लिश करना बेहद असामान्य है। इलॉन मस्क के एआई वेंचर 'एक्स-एआई' के को-फाउंडर और बहुत-से स्टूडेंट्स

अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट के लिए यह असामान्य है। वे अकसर अपनी बुद्धिमत्ता से साथियों को प्रभावित करते और कॉलेज में काफी चर्चित हो गए थे। उन्होंने 2015 में पीएचडी के लिए अमेरिका की कार्नेगी मेलॉन यूनिवर्सिटी को चुना। वहां ऐसी समस्याएं होती थीं, जिन्हें सुलझाने में लोग कई हफ्ते लगा देते थे और अकसर समाधान तक नहीं पहुंच पाते थे। लेकिन वे समस्या के बारे में वृुष्ठ भी सोचे बिना सीधे ब्लैकबोर्ड पर समाधान लिख देते थे। कार्नेगी मेलॉन में अपने कार्यकाल के आखिरी दौर में उन्होंने गूगल ब्रेन में इंटरनशिप करने का फैसला किया। वहां उन्होंने गूगल ब्रेन के संस्थापक सदस्य क्वोक-वी-ले के साथ मशीन लर्निंग पर दो रिसर्च पेपर लिखे, जिनके आज 20 हजार से ज्यादा साइटेशन दिए जा चुके हैं। किसी पीएचडी छात्र के लिए ऐसे पेपर पब्लिश करना बेहद असामान्य है। इलॉन मस्क के एआई वेंचर 'एक्स-एआई' के को-फाउंडर और बहुत-से स्टूडेंट्स

प्रतिभाशाली था। लेकिन वह लगातार अपने सभी प्रोफेसरों से कहते रहते थे कि अगर कोई उन्हें पैसे दे दे तो वे चीन वापस जाकर अपनी कंपनी शुरू करेंगे। क्योंकि उन्हें भरोसा था कि उनका प्रोडक्ट ओपनएआई से लेकर गूगल तक के सभी एआई मॉडल्स को पीछे छोड़ सकता है। इसीलिए उन्होंने कभी भी अमेरिका में ठीक से जॉब नहीं ढूंढ़ी। तो मिलिए 33 साल के यांग झिलिन से, जिनकी कंपनी ने हाल ही में एक पॉवर एआई मॉडल जारी करके दुनियाभर के बाजारों में हलचल मचा दी। वे मूनशॉर्ट एआई के को-फाउंडर हैं, जिसे चीन की शीर्ष एआई लैब्स में से एक माना जाता है। उनके स्टार्टअप के ताजा प्राइवेट फंडिंग राउंड में इसकी वैल्यूएशन 50 अरब डॉलर आंकी गई है। हाल ही में उन्होंने हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में आईपीओ के लिए आवेदन किया है। इसमें बड़ी सीख यह है कि कॉलेज महज वो जगह नहीं, जहां स्टूडेंट डिग्री हासिल करें। यहां वे अपना

किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकें या कोई मुश्किल समस्या हल कर सकें। साथियों का सही युग किसी स्टूडेंट को नए आइडिया, मेंटर्स, अपॉर्च्युनिटी और यहां तक कि वैश्विक पहचान तक भी पहुंचा सकता है। हो सकता है कि आप तत्काल बेस्ट न बन पाएं, लेकिन सबसे बेहतरीन दिमागों से घिरे रहना आपके जीवन की दिशा बदल सकता है। सफलता के लिए गोल शीट तय करना और मंजिल को लेकर मेनिफेस्ट करना जरूरी है, जैसे यांग चाहते थे कि वे ओपनएआई और गूगल को पीछे छोड़ें। फंडा यह है कि यूनिवर्सिटी में सबसे बेहतर बनने की कोशिश करने में कुछ गलत नहीं है, लेकिन आपको सोच-समझकर सबसे बेहतर लोगों के साथ रहना भी चुनना चाहिए। क्योंकि कई बार आप जिन लोगों की कंपनी में रहते हैं, वही तय करते हैं कि आपका महत्वाकांक्षा कितनी दूर तक जा सकती है। एन. रघुरामन

अमेरिकी चैनलों ने ट्रम्प की लाइव कवरेज रोकी, 3 मीडिया हाउस पर बैन के बाद फैसला, जवाब में व्हाइट हाउस ने ‘ट्रम्प टीवी’ लॉन्च कर दिया

वॉशिंगटन। इस बार सीएनएन की बारी थी, लेकिन व्हाइट हाउस ने उसके पत्रकारों

मीडिया हाउस ने व्हाइट हाउस में अपना एक्सेस बहाल करने की मांग की है। एसोसिएटेड प्रेस



पर बैन लगा दिया। इसके बाद बाकी नेटवर्क्स ने सीएनएन की जगह कवरेज करने के बजाय साक्षा टीवी पूल को ही रोक दिया। बैन के खिलाफ कोर्ट पहुंचे तीनों मीडिया हाउस-सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको ने ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ अमेरिकी संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। तीनों

के मुताबिक, तीनों ने प्रशासन पर पहले और पांचवे संशोधन के तहत मिले अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले में जल्द सुनवाई की मांग भी की है। ट्रम्प मीडिया पर पक्षपात का आरोप लगाते रहे हैं- ट्रम्प 2016 से ही सीएनएन की खबरों को 'फेक न्यूज' कहते रहे हैं। उनके पहले कार्यकाल में

भी सीएनएन के पत्रकारों के व्हाइट हाउस पास को लेकर विवाद हुआ था। ट्रम्प ने 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' जैसे बड़े अखबारों पर भी उनके खिलाफ पक्षपातपूर्ण खबरें चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इन मीडिया संस्थानों की रिपोर्टिंग पर कई बार सवाल उठाए और कुछ मामलों में मानहानि के मुकदमे भी किए। ट्रम्प का आरोप रहा है कि ये मीडिया संस्थान जानबूझकर ऐसी खबरें चलाते हैं, जिनसे उनकी छवि खराब होती है। सोशल मीडिया से बैन हुए तो ट्रम्प ने अपना प्लेटफॉर्म बनाया-जनवरी 2021 में ट्रम्प को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (तब ट्विटर) से बैन कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने 21 फरवरी 2022 को अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रथ सोशल' लॉन्च किया। अभी इसके करीब 60 लाख एक्टिव यूजर्स हैं। अकेले ट्रम्प के इस प्लेटफॉर्म पर करीब 1.29 करोड़ फॉलोअर्स हैं।

यूएन में ट्रम्प का भाषण- जनरल डिबेट शुरू होगी,2025 में टेलीप्रॉम्प्टर खराब होने पर भड़के थे, 2018 में उनके दावे पर बना था मजाक

न्यूयॉर्क। यूएन में 193 सदस्य देश हैं और महासभा में हर देश का एक वोट होता है। हर साल सितंबर में इन देशों के नेता या वरिष्ठ प्रतिनिधि न्यूयॉर्क पहुंचते हैं। वे अपने देश की समस्याओं, प्राथमिकताओं और दुनिया से जुड़े अहम मुद्दों पर भाषण देते हैं। इसी प्रक्रिया को 'जनरल डिबेट' यानी सामान्य बहस कहा जाता है। हालांकि, यहां नेता आमने-सामने बैठकर बहस नहीं करते। हर देश को यूएन महासभा के मंच से अपनी बात रखने का मौका मिलता है। इसके अलावा, इस दौरान अलग-अलग देशों के नेता दूसरे देशों के नेताओं के साथ बैठकें भी करते हैं। इनमें व्यापार, सुरक्षा, युद्ध, कूटनीति और दूसरे अहम मुद्दों पर बातचीत होती है। इसलिए यूएन का यह सप्ताह दुनिया की कूटनीति के लिहाज से काफी अहम होता है। ट्रम्प ईरानी राष्ट्रपति से मिल सकते हैं- इस बार अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों की संभावित मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए तैयार हैं। दोनों नेता ऐसे समय एक ही शहर में होंगे, जब अमेरिका और ईरान के बीच करीब 7 महीने से युद्ध चल रहा है। ऐसे में दोनों के बीच संभावित बातचीत को अहम माना जा रहा है। 15 मिनट की स्पीच का नियम, कास्त्रो ने 4 घंटे 29 मिनट बोला- जनरल डिबेट में एक देश के नेता को आम तौर पर 15 मिनट बोलने के लिए दिए जाते हैं। यह समय इसलिए रखा जाता है ताकि सभी देशों को अपनी बात रखने का मौका मिल

सके। हालांकि, इतिहास में कई नेता इससे काफी ज्यादा देर तक बोले हैं। सबसे लंबा भाषण क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो ने 1960 में दिया था। उन्होंने करीब

अहम है। इस इलाके में बड़ी संख्या में भारतीय रहते और काम करते हैं। तनाव बढ़ने पर उनकी सुरक्षा और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित वापसी भारत के



4 घंटे 29 मिनट यानी 269 मिनट तक भाषण दिया था। यह यूएन जनरल डिबेट में अब तक का सबसे लंबा भाषण माना जाता है। भारत की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में करीब 35 मिनट 38 सेकंड तक भाषण दिया था। उनका यह भाषण 27 सितंबर 2014 को यूएन जनरल डिबेट में हुआ था। भारत के लिए यूएन में 5 बड़े मुद्दे-1. आतंकवाद: भारत लंबे समय से यूएन में आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की बात करता रहा है। भारत चाहता है कि आतंकवाद से निपटने के लिए देशों के बीच बेहतर सहयोग हो। 2. पश्चिम एशिया और भारतीयों की सुरक्षा: पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत के लिए सीधे तौर पर

लिए बड़ा मुद्दा बन जाती है। 3. तेल और ऊर्जा की सुरक्षा: भारत अपनी जरूरत का काफी तेल दूसरे देशों से खरीदता है। पश्चिम एशिया में तनाव का असर ऊर्जा की सप्लाई पर पड़ सकता है। 4. ग्लोबल साउथ की आवाज: भारत विकासशील देशों की समस्याओं को यूएन में उठाता रहा है।

इन देशों के लिए गरीबी, कर्ज, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और विकास के लिए पैसा जुटाना बड़ी चुनौतियां हैं। 5. यूएनएससी में सुधार: भारत लंबे समय से यूएन सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता रहा है। भारत का कहना है कि आज की दुनिया की स्थिति को देखते हुए यूएन की संस्थाओं में बदलाव होना चाहिए।

हूतियों के खिलाफ सऊदी की मदद करेगा ब्रिटेन,हवा में लड़ाकू विमानों में ईंधन भी भरेगा-लाखों यमन के लोग बेघर

लंदन/रियाद।2003 से अमेरिका यहां कैंप लेमोनियर नाम का बड़ा सैन्य बेस चला रहा है। यहां चीन का भी बड़ा सैन्य बेस है। सऊदी पर हूतियों के हमले क्यों बढ़े? यह लड़ाई यमन

ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। इनमें अबहा, जिजान, नजान, ताइफ, जेद्दा और यानबू शामिल हैं। लाल सागर में सऊदी जहाजों को भी निशाना बनाया गया है। 2014



में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब समर्थित यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के बीच है। हूतियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद और ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बनाकर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमले करने का दावा किया है। इसके जवाब में सऊदी अरब ने यमन के अंदर हूती ठिकानों पर हमले किए हैं। ब्रिटिश सरकार के मुताबिक, जुलाई से हूतियों ने सऊदी अरब के कई शहरों, एयरपोर्ट, सैन्य ठिकानों और

से चल रही है यमन में जंग-यमन में 2014 से गृहयुद्ध चल रहा है। सऊदी अरब और हूतियों के बीच 2022 में यूएन की मध्यस्थता में एक संघर्षविराम हुआ था। लेकिन हाल के महीनों में यह समझौता बुरी तरह टूट गया है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमले फिर बढ़ गए हैं। इस लड़ाई का असर सिर्फ यमन नहीं है। बाब-अल-मंदब से होकर गुजरने वाले समुद्री रास्ते के कारण यहां की सुरक्षा का असर

लाल सागर के रास्ते होने वाले अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर भी पड़ सकता है। लेकिन इस लड़ाई की सबसे बड़ी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ रही है, जिन्हें अपना घर छोड़कर दूसरे देश में शरण लेनी पड़ रही है। ब्रिटेन पहले भी हूतियों पर हमला कर चुका है- ब्रिटेन पहले भी हूती ठिकानों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। जनवरी 2024 में ब्रिटेन ने अमेरिका के साथ मिलकर यमन में हूतियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए थे।

यह कार्रवाई लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर हूतियों के लगातार हमलों के बाद की गई थी।अभियान में ब्रिटिश आरएफ टाइफून लड़ाकू विमानों को वॉयजर टैंकर विमानों से हवा में ईंधन दिया गया था।

इसके बाद अप्रैल 2025 में भी ब्रिटेन और अमेरिका ने यमन में हूतियों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चलाया। इसमें ब्रिटिश आरएफ टाइफून लड़ाकू विमानों ने हूतियों के ड्रोन बनाने वाली एक जगह को निशाना बनाया था।

इस अभियान में भी टाइफून विमानों को वॉयजर टैंकर से हवा में ईंधन दिया गया था।

अमेरिका में श्वेत गुट भारतीयों की जासूसी कर रहे, मिडटर्म चुनाव के दौरान हेट क्राइम 30फीसदी बढ़ने का खतरा ट्रम्प भी बना सकते हैं इमिग्रेशन को मुद्दा

वॉशिंगटन।ये लोग आइस एजेंटों को अवैध प्रवासियों के काम करने का कॉल करते हैं। आइस एजेंट रेड डालकर वैध भारतीयों

हैं। मिडटर्म में रिपब्लिकन पार्टी हारती है तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। लेकिन कांग्रेस में बहुमत खोने पर उनके फैसलों पर रोक-

ईरान युद्ध: 20फीसदी वोटरों के लिए बड़ा मुद्दा-ईरान युद्ध अब सिर्फ विदेश नीति का मामला नहीं है। इसका असर सीधे अमेरिकी लोगों



को भी पकड़ लेते हैं। छोटे से कस्बे फ्रेंडशिप में ग्रॉसरी स्टोर चलाने वाले धवल कुमार (बदला हुआ नाम) को आइस एजेंट बिना कारण बताए उठा कर ले गए। यहां के लगभग 200 लोगों ने उनके समर्थन में याचिका पर हस्ताक्षर किए तब जाकर 5 दिन बाद धवल को छोड़ा गया। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार के 65फीसदी चांस-अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इप्सॉस-एपीआई सर्वे के मुताबिक, चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के हारने की संभावना 65फीसदी तक है। मिडटर्म के लिए वोटिंग नवंबर में होनी है। मिडटर्म चुनाव ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के बीच होने वाला बड़ा राजनीतिक इमतिहान है। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के साथ राज्यों और स्थानीय सरकारों के कई अहम मुद्दों के लिए वोटिंग होगी। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के करीब 80फीसदी उम्मीदवार पहले ही तय हो चुके

टोक बढ़ सकती हैं। टैरिफ, वीजा और दूसरे बड़े नीतिगत फैसलों को लागू करने में ट्रम्प को डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। कार्यकाल के बाकी दो साल में उन्हें कांग्रेस के साथ ज्यादा तालमेल बनाकर चलना होगा। मिडटर्म में ट्रम्प की तीन सबसे बड़ी चुनौती... महंगाई, इमिग्रेशन और ईरान युद्ध-1. महंगाई: ट्रम्प की आर्थिक रेटिंग 32फीसदी पर? फिसल गई अमेरिकी वोटरों की सबसे बड़ी चिंता महंगाई है। इप्सोस सर्वे में 54फीसदी लोगों ने महंगाई और अर्थव्यवस्था को वोट का बड़ा मुद्दा बताया। वहीं, एपी-एनओआरसी सर्वे में सिर्फ 32फीसदी लोगों ने माना कि ट्रम्प अर्थव्यवस्था अच्छी तरह संभाल रहे हैं। 69फीसदी अमेरिकियों को मौजूदा आर्थिक हालात खराब लगते हैं। इप्सोस सर्वे में 65फीसदी लोगों ने कहा कि रोजमर्रा का किराना महंगा पड़ रहा है, जबकि 48फीसदी को डर है कि अगले साल आर्थिक हालात और खराब हो सकते हैं।

की जेब पर पड़ रहा है। इप्सोस सर्वे में 20फीसदी वोटरों ने ईरान युद्ध को वोट का अहम मुद्दा बताया। अगर जंग लंबी खिंची और तेल महंगा हुआ तो पेट्रोल, ट्रांसपोर्ट और रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। यानी ट्रम्प के सामने चुनौती है ईरान पर सख्ती भी दिखानी है और अमेरिकी लोगों को महंगाई से राहत का भरपूर भी देना है। इमिग्रेशन- 61फीसदी अमेरिकी ट्रम्प की नीति से नाराज-2024 में इमिग्रेशन ट्रम्प की बड़ी ताकत था, लेकिन अब तत्सीर बदलती दिख रही है। हालिया सर्वे में 61फीसदी अमेरिकियों ने ट्रम्प की इमिग्रेशन नीति का विरोध किया, जबकि समर्थन सिर्फ 39फीसदी रहा। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ट्रम्प की इस नीति को 49फीसदी लोगों का समर्थन था। रिपब्लिकन वोटरों में भी समर्थन घटकर 80फीसदी रह गया है। सख्त डिपोर्टेशन और इमिग्रेशन कार्रवाई के बीच बढ़ती नाराजगी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प के लिए बड़ा नुकसान बन सकती है।

दिल्ली में नाबालिग से गैंगरेप, एक गिरफ्तार,एनकाउंटर के दौरान पुलिसकर्मी के बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी गोली,सितंबर में तीसरा रेप केस

नयी दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में 17 साल की

के मुताबिक, नाबालिग सोमवार शाम 7 बजे अपने 17 साल के दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर



नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना सोमवार शाम की है। पुलिस ने मंगलवार सुबह एक आरोपी आसिफ को साउथ ईस्ट दिल्ली में एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने तीन राउंड फायर किए। एक गोली हेड कॉन्स्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। जवाब में पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मारी। घायल आरोपी को 'ड्रिफ्ट ट्रॉमा सेंटर' में भर्ती कराया गया है। बाकी दो आरोपियों की तलाश जारी है। दिल्ली में इस महीने नाबालिग से रेप का एक तीसरा मामला है। 12 सितंबर को स्वरूप नगर में 14 साल की नाबालिग की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई थी। 16 सितंबर को सरार बाजार में 10 साल की बच्ची का रेप हुआ था। दर्शन के बाद दोस्त के साथ पार्क पहुंची थी नाबालिग-पुलिस

में दर्शन करने गई थी। इसके बाद दोनों शाम करीब 7:30 बजे गेट नंबर 7 से आस्था कुंज पार्क में दाखिल हुए। वहां तीन युवक उनके पास पहुंचे और खुद को पुलिसकर्मी बताया। शिकायत के अनुसार, युवकों ने नाबालिग और उसके दोस्त को धमकाया। इसके बाद तीनों ने उसके साथ रेप किया। फिर धमकी देकर छोड़ दिया। पुलिस को रात 8:45 बजे मिली पीसीआर कॉल- पुलिस को रात करीब 8:45 बजे पीसीआर कॉल के जरिए पार्क में रेप की सूचना मिली। इसके बाद अमर कॉलोनी थाने के एसएचओ और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। वहां नाबालिग अपने दोस्त के साथ मिली। नाबालिग की एक्स में मेडिकल जांच कराई

ने सेल्फ डिफेंस में दो राउंड फायर किए। इनमें से एक गोली आसिफ के दाहिने पैर में लगी। एनकाउंटर वाली जगह पर एफएसएल टीम ने जांच की-एनकाउंटर के बाद क्राइम टीम और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की जांच की और जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस ने घटनास्थल से एक बाइक और पिस्टल जब्त की है। पुलिस बाकी दोनों आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही है। मामले में बीएनएस और पॉस्को एकट की संश्लिष्ट धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। दिल्ली में हर दिन बच्चों से यौन अपराध के 4 मामले-एनसीआरबी के मुताबिक, 2024 में दिल्ली में पॉस्को के 1,553 केस दर्ज हुए। यानी औसतन हर दिन 4 से ज्यादा मामले सामने आते हैं। 2025 की रिपोर्ट अभी जारी नहीं हुई है।

डीआरडीओ का लेजर वेपन 5किमी दूर तक ड्रोन गिराएगा,एक सिस्टम का ट्रायल पूरा

नयी दिल्ली। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी डीआरडीओ 30 किलोवाट क्षमता का लेजर सिस्टम तैयार कर चुका है। यह सिस्टम करीब 5 किमी दूर तक ड्रोन, ड्रोन के झुंड और सर्विलांस सेंसर को निशाना बना सकता है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, लेजर वेपन का अंतिम ट्रायल अगस्त 2025 में पूरा हो चुका है। इस सिस्टम की क्षमता पहले भी ट्रायल में दिखाई जा चुकी है। अप्रैल 2025 में 30केडब्लू लेजर सिस्टम का ट्रायल कर्नूल के नेशनल ओपन एयर रेंज में किया गया था।

इस दौरान सिस्टम ने फिक्स-विंग ड्रोन को निशाना बनाया और कई ड्रोन हमलों को रोकने की क्षमता



दिखाई। निगरानी सेंसर और एंटीना को भी टारगेट किया गया। रडार से पहचान, फिर् लेजर से हमला करता है सिस्टम-सिस्टम रडार या

इलेक्ट्रो ऑप्टिक यानी ईओ सिस्टम की मदद से लक्ष्य की पहचान करता है। इसके बाद लेजर बीम सीधे उस पर डाली जाती है। बीम लाइट की स्पीड से लक्ष्य तक पहुंचती है और अपनी तेज ऊर्जा से उसे नुकसान पहुंचाती है। 2केडब्लू और 10वे3डब्लू सिस्टम भी तैयार, 50वे3डब्लू और

100केडब्लू पर काम जारी-केडब्लू के 2केडब्लू सिस्टम का प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। 10केडब्लू

पनामा कार्गो शिप ने चीनी बोट को मारी टक्कर, मुश्किल से बची लोगों की जान-ओवरटेक करने के के चलते हुआ हादसा

पनामा। सिंगापुर के पास पनामा के झंडे वाले कार्गो शिप ने मछली पकड़ने वाली चीनी नाव को टक्कर मार दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रहा है। वीडियो में

की वजह से टक्कर हो सकती है-मैरीटाइम एनालिस्ट साल मर्कोग्लियानो ने सोशल मीडिया पर कहा कि संभव है कि पनामा कार्गो शिप के रास्ते में एक तीसरा बल्क कैरियर आ गया



दिख रहा है कि एक बड़ा कार्गो शिप ओवरटेक करने की कोशिश में मछली पकड़ने वाली नाव से टकरा जाता है। टक्कर के बाद छोटी नाव घूम जाती है और उसके डेक पर पानी भरने लगता है। नाव पर मौजूद क्रू के सदस्य रेलिंग पकड़कर खुद को बचाते हुए नजर आते हैं। हादसा 17 सितंबर शाम करीब 5 बजे हुआ। दोनों जहाज सुबह सिंगापुर के पास एक ही पोर्ट से रवाना हुए थे और सिंगापुर स्ट्रेट के पश्चिम की ओर जाने वाले एक ही चैनल में चल रहे थे। कार्गो शिप ओवरटेक करना चाहता था-पनामा कार्गो शिप दरअसल मछली पकड़ने वाली नाव को ओवरटेक कर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी रफ्तार करीब 3 नॉट ज्यादा थी। टक्कर के बाद भी मालवाहक जहाज करीब 2 घंटे तक 10 नॉट की रफ्तार से पश्चिम की ओर चलता रहा। इसके बाद वह रुका। हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मछली पकड़ने वाली नाव का एआईएस सिग्नल टक्कर के बाद भी मिलता रहा। इससे पता चलता है कि नाव हादसे के बाद भी चलती रही और बाद में पास के एक बर्थ तक पहुंच गई। तीसरे जहाज

हो। इससे छोटी मछली पकड़ने वाली नाव दो बड़े जहाजों के बीच फंस गई हो। उन्होंने यह भी कहा कि किसी जहाज की टक्कर के वीडियो में सिर्फ एक तरफ का दृश्य मिलता है, इसलिए केवल वीडियो देखकर पूरी स्थिति समझना मुश्किल होता है। पनामा मैरीटाइम अथॉरिटी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। सिंगापुर की मैरीटाइम एंड पोर्ट अथॉरिटी की ओर से अभी सार्वजनिक बयान नहीं आया है। मलक्का स्ट्रेट दुनिया के व्यस्त समुद्री रास्तों में शामिल-हादसा सिंगापुर स्ट्रेट में हुआ, यह मलक्का स्ट्रेट के करीब है। सिंगापुर और मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल हैं। ये एशिया, यूरोप और मिडिल ईस्ट के बीच समुद्री कारोबार के लिए बेहद अहम रास्ते हैं। दुनिया के करीब 40फीसदी वैश्विक व्यापार का सामान इन समुद्री रास्तों से होकर गुजरता है। इसवेत अलावा, समुद्र के रास्ते होने वाले दुनिया के करीब एक-तिहाई तेल परिवहन के लिए भी ये रूट अहम हैं। रोजाना बड़ी संख्या में कंटेनर शिप, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक जहाज यहां से गुजरते हैं।

बंगाल में मछुआरों ने हाथी के डूबते बच्चे को बचाया,नाव पर आते ही बचाने वाले से लिपटा, हथिनी मां ने बच्चे को दुलारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में मछुआरों ने तेज बहाव में बह रहे हाथी के

पानी में उतरे और बच्चे को नाव पर खींचकर सुरक्षित बाहर निकाला। नाव में हाथी का बच्चा



एक बच्चे की जान बचाई। गजोल्डोबा बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद हाथियों का झुंड तीस्ता नदी पार कर रहा था, तभी तेज धारा में बच्चा झुंड से अलग हो गया। तीस्ता नदी में मछली पकड़ रहे पांच मछुआरों ने बच्चे को पानी में संघर्ष करते देखा। उन्होंने दो नावों से करीब 4 किलोमीटर तक उसका पीछा किया। इसके बाद तीन मछुआरे

एक मछुआरे से लिपट गया। बच्चे को वन विभाग को सौंप दिया गया। उसे तुरंत इलाज दिया गया और उसकी मां की तलाश शुरू की गई। करीब दो घंटे बाद वन विभाग, स्थानीय लोगों और मछुआरों ने बच्चे को उसकी मां से मिलाया। मां हाथिनी बच्चे के पास पहुंची और उसे थपकी दी। इसके बाद उसने बच्चे को दुलारा।

साथ कई ड्रोन होंगे निशाने पर, 30कि.वाट

सिस्टम को जरूरी मंजूरी मिल चुकी है। इसकी 10-12 यूनिट का ऑर्डर दिया गया है। यह करीब 2 किमी तक के लक्ष्य को निशाना बना सकता है। डीआरडीओ अब 50केडब्लू और 100केडब्लू क्षमता वाले लेजर सिस्टम विकसित करने की दिशा में भी काम कर रहा है। इन्हें एयर डिफेंस में मिसाइल, गन और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम के साथ इस्तेमाल करने की योजना है। भारतीय सेना के लिए कैसे फायदेमंद- इस सिस्टम में पारंपरिक गोला-बारूद या रॉकेट की जरूरत नहीं होती। इससे ड्रोन हमलों के दौरान अलग-अलग मिसाइल इस्तेमाल करने की

जरूरत कम हो सकती है। लेजर सिस्टम तेजी से लक्ष्य पर हमला कर सकता है। इसे चलाने के लिए बिजली की जरूरत होती है, इसलिए इसमें पारंपरिक हथियारों की तरह बार-बार गोला-बारूद खर्च नहीं होता। दूसरे देश भी विकसित कर रहे लेजर हथियार-अमेरिका लेजर आधारित एंटी-ड्रोन सिस्टम का परीक्षण और इस्तेमाल कर चुका है। इजराइल 100केडब्लू के आयपरन बीम पर काम कर रहा है। चीन ने सायलेंट हंट और एलवाई-1 जैसे सिस्टम दिखाए हैं, जबकि रूस भी डायरेक्टेड-एनर्जी हथियारों पर काम कर रहा है।

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड-कार्तिक-यामी बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस, धनुष को दो अवॉर्ड

गुजरात। 72वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी गुजरात के केवडिया में वंदेमातरम गाकर शुरू हुई। विजेताओं की घोषणा



18 जुलाई को चुकी है। आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अवॉर्ड दे रही हैं। कार्तिक आर्यन को फिल्म 'चंदू चैंपियन' और ममूटी को 'ब्रह्मयुग' के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड यामी गौतम को फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए मिला, जबकि बेस्ट हिंदी फिल्म 'श्रीकांत' और बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड 'आर्टिकल 370' को दिया जाएगा। तमिल स्टार धनुष को दो कैंटेगरी में नेशनल अवॉर्ड दिया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- दिल्ली से बाहर सेरेमनी का मकसद दूरिस्ट डेस्टिनेशन तक पहुंचना है। इस पर विवाद करना ठीक नहीं। 1954 में जब नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स शुरू हुए थे, तब सिर्फ 7 पुरस्कार दिए गए थे। अब 72 साल बाद 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में कुल 45 पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इनमें 26 फीचर फिल्म, 16 नॉन-फीचर फिल्म, 2 सिनेमा पर लेखन और

अलग क्षेत्रों तक पहुंच गया है। 'कल्कि 2898 एडी' को मिला बेस्ट पॉपुलर फिल्म का अवॉर्ड-तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट का पुरस्कार मिला। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन हैं। 'कैप्टन मिलर' को मिला स्पेशल कैटेगरी का अवॉर्ड-तमिल फिल्म 'कैप्टन मिलर' को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट फीचर फिल्म प्रमोटिंग नेशनल, सोशल एंड एनवायरनमेंटल वैल्यूज का पुरस्कार मिला। फिल्म का निर्देशन अरुण माथेश्वरन ने किया है। '35 चित्रा कथा काडु' को मिला बेस्ट चिल्ड्रन फिल्म का अवॉर्ड-तेलुगु फिल्म '35 चित्रा कथा काडु' को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट चिल्ड्रन फिल्म का पुरस्कार मिला। फिल्म के निर्देशक नंदा किशोर इमानी हैं। राजकुमार पेरियासामी को मिला बेस्ट डायरेक्शन का

अवॉर्ड-तमिल फिल्म 'अमरन' के लिए राजकुमार पेरियासामी को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट डायरेक्शन का पुरस्कार मिला। कार्तिक आर्यन को मिला बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड-कार्तिक आर्यन को हिंदी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला। उन्होंने यह अवॉर्ड ममूटी के साथ शेयर किया। यामी गौतम को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड-यामी गौतम को हिंदी फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। तमिल



स्टार धनुष को एक दिन में दूसरा नेशनल अवॉर्ड मिला-तमिल फिल्म 'रायन' को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट तमिल फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। फिल्म 'रायन' को धनुष ने लिखी, निर्देशित की और एक्टिंग भी की

है। आज ही धनुष को तमिल फिल्म 'कैप्टन मिलर' में अभिनय के लिए स्पेशल मेंशन का सम्मान



मिला। भूपेंद्र पटेल बोले- एकता नगर में नेशनल अवॉर्ड होना गर्व की बात-गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि एकता नगर में पहली बार नेशनल अवॉर्ड समारोह का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि

ने दिल्ली से बाहर सेरेमनी कराने को लेकर कहा कि हमारा लक्ष्य देश के सभी बड़े दूरिस्ट डेस्टिनेशन पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी राज्य अपने सबसे अच्छे दूरिस्ट लोकेशन का चयन कर हमें भेजें। इनमें से किसी एक जगह का चयन किया जाएगा। वहां जब स्टार्स पहुंचेंगे तो उस जगह का भी प्रमोशन होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसको राजनीतिक विवाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। हमारा लक्ष्य 'नेशन फर्स्ट' को आगे बढ़ाना होना चाहिए। अनंत नाग के लिए स्टैंडिंग ओवेशन-अनंत नाग को समारोह में मौजूद लोगों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया। उन्हें 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए यह सम्मान मिला। अश्विनी वैष्णव ने विजेताओं को दो बधाई-समारोह में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर फिल्म के पीछे पूरी टीम की मेहनत होती है और हर सम्मान के पीछे दर्द के पीछे काम करने वाले तकनीकी लोगों का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने सभी विजेताओं के लिए तालियां बजाने की अपील की।

आयोजित की जा रही है। अगली बार इसे किसी और दूरिस्ट डेस्टिनेशन पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी राज्य अपने सबसे अच्छे दूरिस्ट लोकेशन का चयन कर हमें भेजें। इनमें से किसी एक जगह का चयन किया जाएगा। वहां जब स्टार्स पहुंचेंगे तो उस जगह का भी प्रमोशन होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसको राजनीतिक विवाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। हमारा लक्ष्य 'नेशन फर्स्ट' को आगे बढ़ाना होना चाहिए। अनंत नाग के लिए स्टैंडिंग ओवेशन-अनंत नाग को समारोह में मौजूद लोगों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया। उन्हें 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए यह सम्मान मिला। अश्विनी वैष्णव ने विजेताओं को दो बधाई-समारोह में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर फिल्म के पीछे पूरी टीम की मेहनत होती है और हर सम्मान के पीछे दर्द के पीछे काम करने वाले तकनीकी लोगों का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने सभी विजेताओं के लिए तालियां बजाने की अपील की।

बारिश के मौसम में घुटनों-जोड़ों में दर्द, इन 7 कारणों से बढ़ता पेन, सावधानी जरूरी, डाइट बदलें, ये 6 चीजें न खाएं

नयी दिल्ली। मानसून के दौरान जोड़ों के दर्द की शिकायत बढ़ जाती है। इस मौसम में कुछ लोगों को घुटनों, पीठ और कंधों में दर्द या जकड़न की समस्या होती है। खासकर आर्थराइटिस, पुरानी चोट या इन्हियों से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित लोगों में यह परेशानी बढ़ जाती है। 'द जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कम तापमान और ज्यादा नमी, कुछ लोगों में जॉइंट पेन बढ़ा सकते हैं। हालांकि इसका असर हर व्यक्ति पर एक जैसा नहीं होता। उम्र, स्वास्थ्य और पहले से मौजूद बीमारियां इसमें अहम भूमिका निभाती हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में मानसून में जॉइंट पेन की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन लोगों को इसका ज्यादा रिस्क होता है? मानसून में जॉइंट पेन से बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. गौरव प्रकाश भारद्वाज, डायरेक्टर और सीनियर कंसल्टेंट- स्पोर्ट्स इंजरी, जॉइंट प्रिक्लेशन एंड रिप्लेसमेंट सर्जन, पीएसआरआई हॉस्पिटल, जी के साथ सवाल-जवाब के माध्यम से। मानसून में नमी बढ़ने और धूप कम होने से जॉइंट्स और मसल्स में दर्द बढ़ सकता है। रोज हल्की एक्ससाइज, पर्याप्त हाइड्रेशन, विटामिन डी सप्लीमेंट और गर्म सिंकाई बॉडी और जॉइंट पेन को कंट्रोल किया जा सकता है। सवाल- मानसून में बॉडी पेन और जॉइंट पेन क्यों बढ़ जाता है? जवाब- मानसून में बढ़ी हुई नमी, तापमान में उतार-चढ़ाव और एयर प्रेशर में बदलाव जोड़ों और मांसपेशियों को प्रभावित करते हैं। इससे कुछ लोगों में दर्द, सूजन और जकड़न की समस्या बढ़ जाती है। मानसून में क्यों बढ़ता जॉइंट पेन-शरीर में इन्फ्लेमेशन बढ़ना। हवा में नमी बढ़ना। एयर प्रेशर कम होना। आर्थराइटिस का असर बढ़ना। ब्लड सर्कुलेशन धीमा होना। फिजिकल एक्टिविटी घटना। विटामिन डी की कमी। सवाल-बारिश का मौसम जॉइंट्स को कैसे प्रभावित करता है? जवाब- हां, इसे पॉइंटर्स से समझिए- जिन लोगों को पहले से जॉइंट्स से जुड़ी समस्या है, उनके लिए मानसून ट्रिगर की तरह काम करता है। यह

दर्द और जकड़न को बढ़ा देता है। नमी और वायुदाब में बदलाव की वजह से जोड़ों के आसपास के टिश्यू हल्के फैलते हैं। इससे आर्थराइटिस या पुरानी चोट वाले लोगों में दर्द ज्यादा महसूस होता है। ठंडा और नम मौसम मांसपेशियों को भी सख्त बना देता है। इससे मूवमेंट कम हो जाता है और जॉइंट्स में स्ट्रिफनेस बढ़ जाती है। सवाल- किन लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- जिनके जॉइंट्स या मसल्स सेसिटिव होते हैं या शरीर की रिकवरी क्षमता कम होती है, उन्हें रिस्क ज्यादा होता है। जॉइंट पेन का

बॉडी वेट ज्यादा है। जो देर तक बैठकर काम करते हैं। सवाल- किन बॉडी पार्ट्स में ज्यादा दर्द बढ़ सकता है? जवाब- जहां पहले से कमजोरी, चोट या सूजन हो, उन बॉडी पार्ट्स में मानसून के दौरान दर्द ट्रिगर होता है, जैसेकि- घुटने, कमर, गर्दन, कंधे, रीढ़, एडी और टखने में धूप कम निकलने से शरीर में विटामिन डी का लेवल कम हो सकता है। इसकी कमी से हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। सवाल- मानसून में

एक पोजिशन में न बैठें। रोज हल्की एक्ससाइज, स्ट्रेचिंग करें। जोड़ों पर गर्म सिंकाई करें। संतुलित डाइट लें। पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त पानी पिएं। वजन कंट्रोल रखें। जरूरत हो तो डॉक्टर की सलाह लें। सवाल- कौन-सी एक्ससाइज दर्द से राहत दिलाने में फायदेमंद है? जवाब- जिस एक्ससाइज से जोड़ों पर ज्यादा प्रेशर न पड़े, वो दर्द से राहत दिलाती है, जैसेकि- वॉकिंग, योग, स्ट्रेचिंग, हल्की फिजियो एक्ससाइज, तैराकी। सवाल- क्या गर्म सिंकाई से भी दर्द से राहत मिलती है? जवाब- हां, गर्म सिंकाई जॉइंट पेन में राहत देती है। गर्माहट से जोड़ों के आसपास की मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और स्ट्रिफनेस कम होती है। इससे दर्द धीरे-धीरे घटता है। अगर जॉइंट में ज्यादा सूजन और रेडनेस हो तो गर्म की बजाय ठंडी सिंकाई बेहतर है। सवाल- कब डॉक्टर के पास जाना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है- अगर दर्द लंबे समय तक (2-3 हफ्ते) बना रहे। दर्द लगातार बढ़े। जोड़ों में सूजन, रेडनेस हो। घुसें पर ज्यादा गर्माहट हो। मूवमेंट में ज्यादा दिक्कत हो। बुखार के साथ तेज दर्द हो। सवाल- क्या खानपान की आदतें भी दर्द बढ़ा सकती हैं? जवाब- हां, गलत खानपान से शरीर में सूजन बढ़ सकती है। इससे जॉइंट पेन बढ़ता है। जॉइंट पेन बढ़ाने वाले फूड- फ्राइड, स्पाइसी फूड, पकौड़े, समोसे, फ्राइज, चिप्स, प्रोसेस्ड / पैकेज्ड फूड, स्नैक्स, इंस्टेंट नूट्रल्स, प्रोसेस्ड मीट, पैकेज्ड स्नैक्स, शुगरी चीजे- कोल्ड ड्रिंक, मिठाइयां, ज्यादा नमक, बेकरी आइटम, चिप्स, अचार, नमकीन, रिफाइनड कार्ब्स, पैकेज्ड स्नैक्स, व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री, कुकीज, ठंडी चीजें, शुगरी ड्रिंक्स, रेड मीट, आइसक्रीम ऐसे लोगों की डाइट में एंटी-इन्फ्लेमेटरी और कैल्शियम रिच फूड होने चाहिए, जो हड्डियों को मजबूत बनाएं और मसल्स को सपोर्ट दें। जॉइंट पेन में राहत के लिए ये खाएं-एंटी-इन्फ्लेमेटरी फूड- हल्दी, अदरक, लहसुन, प्रोटीन, दालचीनी, दाले, पनीर, अंडे, दही, बीन्स, सोया, कैल्शियम और विटामिन डी। दूध, दही, पनीर, रागी, तिल, फोर्टिफाइड फूड, ओमेगा-3, अलसी के बीज, अखरोट, चिया सीड्स, फीट फिश, मौसमी फल-सब्जियां-मौसमी फल-

सब्जियां-पीपता, सेब, अनार, पालक, लौकी, तोरी। बॉडी पेन से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाब-सवाल-क्या ज्यादा सोने या देर तक एक ही पोजिशन में रहने से दर्द बढ़ता है? जवाब- हां, इससे जोड़ों में फ्लूइड मूवमेंट कम हो जाता है और आसपास की मांसपेशियां सख्त होने लगती हैं। इससे स्ट्रिफनेस और दर्द बढ़ता है। सवाल- क्या पानी कम पीने से भी शरीर दर्द हो सकता है? जवाब- हां, इससे जोड़ों के बीच मौजूद लुब्रिकेंटिंग फ्लूइड का प्रभाव कम हो जाता है। साथ ही घर्षण, स्ट्रिफनेस और दर्द बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन दर्द हो सकता है? जवाब- हां, पर्याप्त नींद न मिलने पर शरीर की रिपेयर और रिकवरी प्रक्रिया प्रभावित होती है। इससे मसल्स और जोड़ों में सूजन बढ़ सकती है। नींद की कमी दर्द सहने की क्षमता भी कम कर देती है। इसलिए हल्का दर्द भी ज्यादा ज्यादा महसूस होने लगता है। सवाल- क्या लंबे समय तक देर से सोने से दर्द बढ़ता है? जवाब- हां, इससे जोड़ों में स्ट्रिफनेस आती है और मांसपेशियां टाइट होने लगती हैं। गलत पोस्चर इस समस्या को बढ़ा देता है। इससे धीरे-धीरे क्रॉनिक दर्द की स्थिति बन सकती है। सवाल- किस तरह के गद्दा/तकिया बेहतर हैं? जवाब- मीडियम-फर्म ऑर्थोपेडिक गद्दा बेहतर माना जाता है। यह रीढ़ (स्पाइन/रीढ़ की हड्डी) को सही सपोर्ट देता है। साथ ही कंधे, कूल्हे व घुटनों जैसे दबाव वाले हिस्सों पर भार कम करता है। तबकि के लिए ऐसा विकल्प चुनें, जो गर्दन को सीधी और न्यूट्रल पोजिशन में रखे। सवाल- क्या हर बार फ्लिकर लेना सही है? जवाब- नहीं, इसके बजाय दर्द की वजह समझना जरूरी है। साथ ही हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। सवाल- क्या गलत फुटवियर से दर्द बढ़ सकता है? जवाब- हां, बहुत फ्लैट, बहुत सख्त या बिना कुशन वाले जूते पैरों के शॉक को ठीक से एब्जॉर्ब नहीं करते। इसका असर सीधे एडी, घुटनों और कूल्हों तक जाता है। इसी तरह हाई हील्स शरीर का संतुलन बिगाड़ती हैं और घुटनों व पीठ पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। इससे दर्द बढ़ सकता है।

सफेद कपड़े जल्दी रंग छोड़ पीले पड़ जाते हैं, खोई चमक लौटाने के 5 टिप्स, धोते हुए बरतें 11 सावधानियां, न करें 6 गलतियां

नॉएडा। सफेद कपड़ों की चमक अलग ही दिखती है। लेकिन इस्तेमाल के कुछ ही महीनों में ये पीले या मटमैले नजर आने लगते

तो धोने से पहले कुछ देर भिगोना फायदेमंद हो सकता है। हालांकि बहुत देर तक पानी में नहीं छोड़ना चाहिए। सामान्य गंदगी के लिए

जेबें सीधी करके सुखाएं। इनमें नमी देर तक रहती है। कपड़ों के बीच 2-3 इंच की दूरी रखें। इससे कपड़े जल्दी सूखते हैं। धूप



हैं। बहुत से लोग इसे कपड़े के पुराने होने का असर मानते हैं। जबकि कई बार गलत तरीके से कपड़े धोने, ज्यादा क्लीच यूज करने या कपड़ों की सही केयर न करने से भी वो पुराने पड़ जाते हैं। 'अमेरिकन क्लीनिकल इंस्टीट्यूट' के मुताबिक, कपड़े रंग, फेब्रिक और केयर लेबल के अनुसार धोने चाहिए। साथ ही सही वॉश साइकिल चुनना भी जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज सफेद कपड़ों की चमक लौटाने के आसान तरीकों पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- सफेद कपड़े पीले क्यों पड़ते हैं? सफेद कपड़ों की केयर कैसे करनी चाहिए? सवाल- सफेद कपड़े समय के साथ पीले क्यों पड़ जाते हैं? जवाब- इसके कई कारण हैं- पसीना और सीबम, पसीना और शरीर से निकलने वाला सीबम रेशों में जम जाते हैं। इससे कपड़े पर पीले दाग पड़ने लगते हैं। डिजेंट का अवशेष-डिजेंट पूरी तरह नहीं धुलता। उसका अवशेष कपड़ों की सफेदी कम कर देता है। हाई वाटर-पानी में मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स रेशों में जमा हो जाते हैं। इससे कपड़े मटमैले दिखने लगते हैं। धूप और ऑक्सिडेशन-तेज धूप रेशों का रंग बदल देती है। कपड़े धीरे-धीरे पीले पड़ने लगते हैं। लंबे समय तक स्टोर करना-बंद अलमारी और नमी भी पीलापन बढ़ाती है। लंबे समय तक रखे कपड़े पीले पड़ सकते हैं। क्लीच और गर्म आयरन का इस्तेमाल- ज्यादा क्लीच और तेज गर्मी रेशों को नुकसान पहुंचाती है। इससे कपड़ों की सफेदी घटने लगती है। बार-बार धुलाई- लगातार धुलाई से रेशे घिसने लगते हैं। इससे कपड़ों की सफेदी फीकी पड़ जाती है। सवाल- सफेद कपड़ों की चमक वापस कैसे लाएं? जवाब- इसके कई तरीके हैं। पॉइंटर्स से समझिए- ऑक्सीजन-बेस्ड व्हाइटनर से कपड़े धोएं। यह मटमैलापन कम करता है। ऑप्टिकल ब्राइटनर वाला डिजेंट चुनें। इससे कपड़े चमकदार दिखते हैं। जिंटी पीलापन हो तो दोबारा धोएं। एक बार की धुलाई में हमेशा पूरी सफेदी नहीं लौटती। हमने पीले कपड़ों को प्रोफेशनल लॉन्डी में दौं। वहां व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट दिया जाता है। ध्यान रखें, अगर कपड़े के रेशे घिस चुके हैं तो पुरानी चमक लौटाना संभव नहीं है। सवाल- सफेद कपड़े के पीले दाग कैसे हटाएं? जवाब- इसके लिए कुछ तरीके अपनाएं- दाग वाली जगह पर लिक्विड डिजेंट लगाएं। 15-20 मिनट छोड़कर हल्के हाथ से रगड़ें। एक्सलोर-बेस्ड स्टेन रिमूवर इस्तेमाल करें। यह सफेद कपड़ों के लिए सुरक्षित माना जाता है। केयर लेबल के अनुसार पानी चुनें। जितना टेम्परेचर वैल्यू हो, उसी में कपड़े धोएं। पुराने दाग एक बार में पूरी तरह नहीं निकलते। इसलिए जरूरी हो तो दोबारा धोएं। दाग रहने पर आयरन न करें। गर्मी दाग को रेशों में स्थायी बना सकती है। सवाल- सफेद कपड़े धोने का सही तरीका क्या है? जवाब- सफेद कपड़े धोते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- धुलाई के दौरान की गई छोटी गलतियां भी सफेद कपड़ों की चमक कम कर सकती हैं। इन बातों का ध्यान रखें- सफेद कपड़े हमेशा अलग धोएं। धोने से पहले केयर लेबल पढ़ें। जेबें खाली करके मशीन में डालें। बटन और जिप बंद करके- धोएं। सफेद कपड़े हाई टेंपरेचर पर धोएं। सॉफ्ट कपड़े ठंडे पानी से धोएं। बहुत ज्यादा डिजेंट न डालें। धोने के बाद धूप में जरूर सुखाएं। सवाल- सफेद कपड़े सुखाने का सही तरीका क्या है? जवाब- पॉइंटर्स से देखिए- शर्ट और कुर्ते हेंगर पर सुखाएं। इससे सिलवर्ट कम पड़ती है। कॉलर, कफ और



कॉटन और मजबूत फेब्रिक पर दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। नाजूक फेब्रिक के लिए लिक्विड डिजेंट बेहतर होता है। सवाल- क्या हर सफेद कपड़े पर क्लीच इस्तेमाल करना सही है? जवाब- नहीं, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- केयर लेबल देखकर ही क्लीच इस्तेमाल करें। उन, सिक्क और कई सिंथेटिक फेब्रिक पर क्लीच नुकसान पहुंचा सकती है। बार-बार क्लीच करने से कपड़े के रेशे कमजोर पड़ सकते हैं। जरूरत पड़ने पर ही क्लीच का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल से पहले कपड़े के छोटे हिस्से पर टेस्ट करें। सवाल- वॉशिंग मशीन में कपड़े धोते हुए कौन-सी गलतियां कपड़ों को पीला कर देती हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- मशीन को जरूरत से ज्यादा भरना। गलत स्पिन मोड चुनना। सफेद और रंगीन कपड़े एक साथ धोना। गंदे कपड़ों को सफेद कपड़ों के साथ धोना। मशीन की रेगुलर सफाई न करना। सवाल- सफेद कपड़े धोते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- धुलाई के दौरान की गई छोटी गलतियां भी सफेद कपड़ों की चमक कम कर सकती हैं। इन बातों का ध्यान रखें- सफेद कपड़े हमेशा अलग धोएं। धोने से पहले केयर लेबल पढ़ें। जेबें खाली करके मशीन में डालें। बटन और जिप बंद करके- धोएं। सफेद कपड़े हाई टेंपरेचर पर धोएं। सॉफ्ट कपड़े ठंडे पानी से धोएं। बहुत ज्यादा डिजेंट न डालें। धोने के बाद धूप में जरूर सुखाएं। सवाल- सफेद कपड़े सुखाने का सही तरीका क्या है? जवाब- पॉइंटर्स से देखिए- शर्ट और कुर्ते हेंगर पर सुखाएं। इससे सिलवर्ट कम पड़ती है। कॉलर, कफ और

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कट्टा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNNQ.UPHIN/2016/63398 www.adhuniksamachar.com नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीओआरबी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्मत्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।